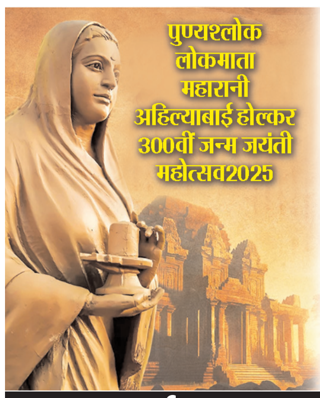

दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-15 अंक-329 | भोपाल, मंगलवार 27 मई 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

शिवराज को लोगों ने कंधे पर उठाया, जमकर थिरके

25 साल बाद फिर पदयात्रा पर निकले, पत्नी और बेटा-बहू भी साथ में आए नजर

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 25 साल बाद फिर पदयात्रा पर निकले हैं। रविवार को उन्होंने मध्यप्रदेश के सीहोर से 'विकसित भारत संकल्प पदयात्रा' की शुरुआत की। सबसे पहले वे लाड़कुई-भादाकुई गांव पहुंचे। यहां उन्होंने किसानों से संवाद किया। यहां लोगों ने शिवराज को कंधे पर उठा लिया। इसके बाद वे परिवार के साथ जमकर थिरके। पदयात्रा में पत्नी साधना सिंह, बड़े बेटे कार्तिकेय और बहू अमानत भी शामिल हुई। उन्होंने पदयात्रा को लेकर कहा कि न दिन- न रात, पैदल चल चला शिवराज। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि भारत की ताकत सभी ने देखी। ये नया भारत है, जिसने कह दिया कि

हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन अगर किसी ने छेड़ा तो छोड़ेंगे नहीं। ऐसा भारत सबके सामने सीना तानकर खड़ा करना है। बता दें कि इससे पहले शिवराज सिंह चौहान ने 1991 में विदिशा जिले में पदयात्रा निकाली थी। तब उन्होंने पूरे संसदीय क्षेत्र का दौरा किया था। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि हमारा लक्ष्य विकसित भारत बनाना है। इसके लिए विकसित गांव बनाने होंगे। स्थानीय लोगों को इसमें सहभागिता करनी पड़ेगी। गांव में सफाई, जल व्यवस्था, आंगनवाड़ी, स्कूल, महिला स्वावलंबन, बेहतर रोजगार को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा मैं पैदल चलूंगा तो आपके मन में भी भाव उठेगा कि मंत्री होकर पैदल चल रहा है, हमें भी अपने गांव के लिए कुछ करना होगा। शिवराज ने कहा कि दिन न रात पैदल चला चल शिवराज.... अगर यह यात्रा सफल होती है तो बाकी लोगों को भी पैदल निकलने कहूंगा।

जिनको चोट लगी है, उन्होंने दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर' का प्रमाण

- उपराष्ट्रपति बोले-ऑपरेशन सिंदूर का लोहा सारी दुनिया ने माना

एमपी में कहा-प्रधानमंत्री मोदी का फैसला लौह पुरुष जैसा रहा

भोपाल (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सरकार पहलगाम आतंकी हमले का जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया है। इसका लोहा दुनिया ने भी माना है। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

पूरा देश राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत-प्रोत है और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लौह पुरुष की तरह फैसला लिया। उपराष्ट्रपति ने सोमवार को नरसिंहपुर में कृषि समागम मेले का उद्घाटन किया।

इस दौरान उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। इस मौके पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री नारायण कुशवाह, गोविंद सिंह राजपूत, ऐंदल सिंह कंषाना, प्रहलाद सिंह पटेल, राव उदय प्रताप सिंह और राज्यसभा सांसद माया नरोलिया भी मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने संदेश दिया है कि जिसने सिंदूर मिटाया है, उसे धरती पर रहने का अधिकार नहीं। अंतरराष्ट्रीय सीमा में घुसकर सेना ने क्या सटीक बमबारी की है। कोई प्रमाण नहीं मांग रहा। जिनको चोट लगी है, उन्होंने प्रमाण दे दिया है। अब हर व्यक्ति राष्ट्र भावना से ओत-प्रोत है। ये बड़ी उपलब्धि है। भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

- **सीएम बोले- प्रदेशभर में लगाए जाएंगे किसान मेले-** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 2002-03 से आज तक एक लाख 32 हजार रुपए प्रति व्यक्ति आय हुई है। आने वाले समय में बिजली बिल से मुक्ति मिल जाएगी। 32 लाख किसानों को सोलर पंप देने की योजना लागू की है। यहां प्रदर्शनी के माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्र आए हैं। फसल का उत्पादन बढ़ेगा। कृषि आधारित फूड प्रोसेसिंग कम है। इसी के मकसद से किसान मेला शुरू हुआ है। तीन दिन तक प्रदर्शनी लगेगी। किसान सब्सिडी के माध्यम से जो यंत्र चाहेंगे, सरकार देगी। नरसिंहपुर में 102 हेक्टेयर में नए कृषि आधारित फूड पार्क तैयार किया जा रहा है। 1300 करोड़ से ज्यादा के उद्योग के नए संकल्प लेकर आकार लेंगे। किसान को 5 रुपए में परमानेंट बिजली कनेक्शन देने का फैसला किया है। किसानों को पटवारी के पास जाने की जरूरत नहीं है।

उत्तरी और पश्चिमी कमान के दौरे पर पहुंचे सीडीएस

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बॉर्डर पर कैसे हैं हालात, लिया जायजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने रविवार को जम्मू-कश्मीर स्थित उधमपुर में भारतीय सेना की उत्तरी कमान और हरियाणा के चंडी मंदिर सैन्य स्टेशन पर पश्चिमी कमान का दौरा किया। सेना की दोनों कमान 'ऑपरेशन सिंदूर' में सक्रिय रूप से शामिल थीं। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दोनों दौरों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सेना के कमांडरों, लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार एवं वरिष्ठ स्टाफ अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी 'ऑपरेशन सिंदूर' की योजना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल थे। सीडीएस ने उत्तरी और पश्चिमी थिएटर में रणनीतिक समीक्षा और ऑपरेशनल आंकलन भी किया। उन्होंने उधमपुर में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर जानकारी ली। उधमपुर में सीडीएस को आतंकवादी नेटवर्क को निष्क्रिय करने, दुश्मन की आतंकवाद समर्थित संपत्तियों को ध्वस्त करने के कदमों के बारे में जानकारी दी गई।

'सपना के ठुमके' व 'बादल की लचक' के मुरीद हुए लोग

- एमपी के राजगढ़ की इस प्रतियोगिता में दिखा अनूठा नजारा

भोपाल। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में अनोखा नजारा देखने को मिला। यहां ब्यावरा के बरखेड़ा गांव में अनोखी प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में आसपास के 23 घोड़े और घोड़ियों ने भाग लिया। घोड़ों के लिए डांस प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें उन्होंने फिल्मी गानों पर जमकर ठुमके लगाए। दौड़ के लिए खेतों में ट्रैक बनाया गया था। बरखेड़ा

के राजेश यादव की घोड़ी 'सपना' ने दौड़ जीती। बारवा गांव के राजेंद्र दांगी का घोड़ा 'बादल' दूसरे स्थान पर रहा। विजेताओं को इनाम दिए गए। बरखेड़ा गांव में हुई इस घुड़दौड़ प्रतियोगिता में लोगों ने खूब आनंद लिया। आसपास के गांवों से कई लोग इसे देखने आए। प्रतियोगिता के लिए खेतों में खास ट्रैक बनाया गया था। दौड़ में पहला स्थान पाने वाली 'सपना' घोड़ी को 11000 रुपए का इनाम मिला। यह इनाम बरखेड़ा के होकम सिंह यादव ने दिया। दूसरा स्थान पाने वाले घोड़े 'बादल' को 5100 रुपए का इनाम मिला। यह इनाम कुलदीप यादव ने दिया। नृत्य प्रतियोगिता जीतने वाले प्रतिभागी को भी इनाम मिला। पूर्व सरपंच जगदीश यादव ने उन्हें 5100 रुपए का पुरस्कार दिया। यह एक दिन पहले ही बताया गया था।

राष्ट्रपति शासन के खिलाफ इंफाल में जबरदस्त प्रदर्शन

- चुनाव की मांग को लेकर राजभवन घेरने पहुंचा मैतेई संगठन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 13 फरवरी से लागू राष्ट्रपति शासन के खिलाफ इंफाल में मैतेई संगठन कोकोमी ने राजभवन का घेराव किया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने राजभवन में घुसने की कोशिश की, जिसके चलते सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को एम सेक्टर गेट के पास रोक दिया। प्रदर्शनकारी मणिपुर के राज्यपाल से ग्वालथाबी की घटना

के लिए माफी की मांग कर रहे थे। इस दौरान 7 प्रदर्शनकारियों को चोटें आई हैं। उन्हें रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, मैतेई समूहों के निकाय कोकोमी का 7 सदस्यों वाला प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली में गृह मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात करेगा। साथ ही मणिपुर की मौजूदा स्थिति और ग्वालताबी में सरकारी बस पर राज्य का नाम छिपाने को लेकर विवाद पर चर्चा करेगा। संयोजक खुरैजम अथौबा ने बताया कि मणिपुर अशांत दौर से गुजर रहा है, लोकप्रिय सरकार की जरूरत है।

अगर कोई हमारी बहनों का सिंदूर मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय

- दाहोद में मोदी ने कहा-आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी; हमने उनके ठिकाने मिट्टी में मिला दिए

अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार को गुजरात के दाहोद में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मोदी ने कहा, आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। पीएम ने कहा, साथियों

जिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें मोदी पूछता है। आदिवासी समाज में लोग पीछे रह गए हैं। उसमें भी पीछे रहने वाले लोगों की चिंता मैं करता हूं। मैने उनके लिए भी योजना बनाई। लाखों आदिवासी भाई बहनों को इसका लाभ मिल रहा है। मैं यहां रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहा हूं। आमसभा से पहले मोदी ने यहां रोड शो भी किया। पीएम मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। ऑपरेशन सिंदूर

के बाद राज्य में यह उनका पहला दौरा है। वे सोमवार सुबह सबसे पहले वडोदरा पहुंचे और रोड शो किया। मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई नहीं है। ये हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

पीएम ने कहा- स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने- मोदी ने कहा, देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए, वो हम भारत में ही बनाएं, ये आज के समय की मांग है। भारत आज तेज गति से मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है। देश की जरूरत के सामान का निर्माण हो या फिर दुनिया के अलग-अलग देशों में हमारे देश की बनी हुई चीजों का एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया की मेट्रो के कोच गुजरात में बने हैं। मैक्सिको, जर्मनी, स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने हैं। जॉम्बिया में मेड इन इंडिया ट्रेन चल रही है। मेड इन इंडिया चीजें विदेशों में देखकर हमारा सीना गर्व से ऊंचा हो रहा है पीएम ने कहा, दाहोद में तीन साल पहले मैं इसका शिलान्यास करने आया था। लोग कहते थे कि चुनाव आया तो उद्घाटन करने आ गए, कुछ बनने वाला नही है। लेकिन, आज यहां पहला इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजन बनकर तैयार हो गया है। मैंने कुछ देर पहले ही हरी झंडी दिखाई है।

दुनिया भर के देशों में हमारा एक्सपोर्ट बढ़ा- मोदी ने कहा, दुनिया भर के देशों में हमारा एक्सपोर्ट बढ़ रहा है। आज हम खिलौनों से लेकर सैन्य साजों-सामान तक दुनिया के देशों निर्यात कर रहे हैं। आज भारत रेल, मैट्रो और इसके लिए जरूरी टेक्नोलॉजी बनाता भी है और एक्सपोर्ट भी करता है। पीएम ने कहा- मैं देश सेवा में जुटा हूं। इन वर्षों में देश ने वे फैसले लिए, जो अकल्पनीय थे। इन वर्षो में दशकों पुरानी बेडियों को तोड़ा है। देश हर सेक्टर में आगे बढ़ रहा है।

ओआईसी में भी नहीं गल पाई पाकिस्तान की 'दाल'

- कश्मीर मुद्दा उठाने पर तीन मुस्लिम देशों ने जमकर लताड़ा
- पाक के मंसूबे पर फेरा पानी, भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक मोर्चे पर एक बार फिर भारत ने बड़ी जीत हासिल की है। इस बार भारत ने न केवल पाकिस्तान के भारत विरोधी प्रस्ताव को नाकाम किया, बल्कि इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की छवि को और धूमिल कर दिया। दरअसल, पाकिस्तान ने ओआईसी की संसदीय संघ की बैठक में कश्मीर मुद्दे को उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी, लेकिन तीन प्रमुख मुस्लिम देशों इंडोनेशिया, मिस्र और बहरीन- ने उसका यह मंसूबा नाकाम कर दिया। बैठक जकार्ता में हुई थी, जिसमें पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ प्रस्ताव रखा। लेकिन इंडोनेशिया ने इसका विरोध किया और मिस्र व बहरीन ने उसका समर्थन करते हुए भारत विरोधी टिप्पणी को दस्तावेज़ में शामिल करने से मना कर दिया। यह घटना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका साबित हुई, क्योंकि ओआईसी में 57 मुस्लिम देश शामिल हैं, जिनमें से कई अब भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बना चुके हैं। ओआईसी के कुछ दस्तावेजों में भले ही फिलिस्तीन और गाजा से संबंधित सख्त टिप्पणियां की गई हों, लेकिन भारत के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणी को मंजूरी नहीं मिली। इसका मतलब है कि इस्लामी देशों में पाकिस्तान की पकड़ कमजोर हो गई है।

प्रियंका गांधी बन सकती हैं यूपी कांग्रेस की 'बॉस'

- मुस्लिम चेहरा हो सकता है प्रदेश अध्यक्ष, पिछड़ों-दलितों को भी मिलेगी जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दल धीरे-धीरे चुनावी मोड में आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस को भी यहां से उम्मीदें नजर आ रही हैं। यहां कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं थीं।

चर्चा जोरों पर है कि यूपी में चुनाव से पहले एक बार फिर प्रियंका गांधी को जिम्मेदारी दी जाएगी। दूसरी चर्चा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर है। किसी मुस्लिम चेहरे को इसकी कमान दी जा सकती है। इसको लेकर दिल्ली में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप में मंथन भी हो चुका है।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि कांग्रेस आलाकमान प्रियंका गांधी को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यूपी का प्रभारी या चुनाव प्रभारी बनाने पर विचार कर रहा है। हाल ही में दिल्ली में एक बैठक हुई

थी। जिसमें शुरुआती तौर पर चर्चा भी हुई। यूपी में अगर कांग्रेस मजबूत होती है, तो इसका फायदा केंद्र में मिलेगा। इससे पहले, 2019 से 2022 तक प्रियंका यूपी कांग्रेस की महासचिव और प्रभारी रह चुकी हैं।

इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने और स्थानीय नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की। लेकिन, सीमित संसाधनों और संगठनात्मक कमजोरियों के कारण उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन (6 सीटें) ने पार्टी को नई उम्मीद दी है। ऐसे में प्रियंका को फिर से प्रदेश प्रभारी या चुनाव प्रभारी बनाए जाने की संभावना को बल मिल रहा है। प्रियंका गांधी को यूपी में कांग्रेस की रणनीति का केंद्र माना जाता है।

- **चुनाव में ही ऐक्टिव होती रही हैं प्रियंका-** प्रियंका गांधी की सबसे कमजोर कड़ी उनका स्थायी रूप से यूपी में न होना है। चुनाव 2022 का हो या 2024 का। चुनाव के बाद प्रियंका गांधी यूपी लौटकर नहीं आईं। 2022 के चुनाव में वह प्रदेश प्रभारी थीं। उन्होंने जोर-शोर से कैंपेन चलाया था...लड़की हूं, लड़ सकती हूं। जो फेल हो गया। चुनाव खत्म होने के बाद प्रियंका गांधी यूपी नहीं लौटीं। इसी तरह 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रियंका गांधी ने ज्यादा समय रायबरेली और अमेठी सीट पर दिया था। कांग्रेस को यहां पिछले चुनाव के मुकाबले 6 गुना कामयाबी मिली। इसके बावजूद 18 मई को यूपी से दिल्ली गईं प्रियंका लौट कर नहीं आईं।
- **प्रदेश अध्यक्ष मुस्लिम चेहरे को देने की तैयारी-** दूसरी चर्चा यूपी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर है। इस बार तैयारी किसी मुस्लिम चेहरे को लाने की है। इसके लिए दो नाम चर्चा में हैं। पहला- सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और दूसरा- बसपा छोड़कर कांग्रेस में आए नसीमुद्दीन सिद्दीकी। अभी यूपी में कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय हैं।

भाजपा ने देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मां अहिल्याबाई नारी नेतृत्व , सेवा और न्याय से सजी शक्ति की अनुपम कहानी है - सरोज राजपूत

टीकमगढ़।

आज स्थानीय बड़े तालाब परिसर के पास स्थित पार्क में देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। भाजपा मीडिया प्रभारी स्वप्निल तिवारी ने बताया कि देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्मशताब्दी वर्ष में भाजपा द्वारा विभिन्न गोष्ठियां संपन्न कराई जा रही हैं, इसी बीच आज स्थानीय पार्क में देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज राजपूत व अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण कर , उनके जीवन पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार कठिनाइयों में रहते हुए भी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया तथा अंतिम समय तक जनकल्याण के लिए समर्पित रही। कार्यक्रम संयोजक महामंत्री आशुतोष भट्ट , संचालन मंडल अध्यक्ष नरेश तिवारी व

आभार कमलेश पाल द्वारा किया गया।भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती सरोज राजपूत ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर की जन्म भूमि भले महाराष्ट्र रही हो, परंतु हम सौभाग्यशाली हैं कि उनका संपूर्ण जीवन मध्य प्रदेश में बीता। वह अपनी धर्म परायणता, न्यायप्रियता, परोपकार और राष्ट्रनिष्ठा के लिए जानी जाती है। मां अहिल्याबाई नारी नेतृत्व, सेवा और न्याय से सजी शक्ति की अनुपम कहानी है। मां अहिल्याबाई जानती थी कि आत्मनिर्भर समाज ही आत्म निर्भर राष्ट्र की नींव होती है, यदि व्यक्ति कर्मशील होगा और उधम में संलग्न होगा तो अपराध कम होंगे और राज्य की समृद्धि होगी, इसीलिए उन्होंने कृषि में सुधार, वनोंउपज पर आधारित कुटीर और हस्तकला को प्रोत्साहित किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री युवा उद्यमिता विकास अभियान, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, राष्ट्रीय युवा कॉर्प्स योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत का सपना साकार कर रहे है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैली में मां अहिल्या का राष्ट्र दिखाई देता है। माल्यार्पण करने वालों में भाजपा जिला महामंत्री आशुतोष भट्ट, मनोज देवालिया, रीतेश भदौरा, नरेश तिवारी, रविंद्र श्रीवास्तव, इंजी अभय प्रताप सिंह यादव,शोभरन कुशवाहा, अंशुल व्यास, प्रफुल्ल द्विवेदी, सुशीला राजपूत, पूनम अग्रवाल, पुष्पा यादव, विभा श्रीवास्तव, रधुवीर राजपूत,डॉ सुमित उपाध्याय, अरविंद खटीक, रोहित वैसाखिया, महेश साहू,ज्ञानेंद्र सिंह, आदित्य योगी, अंकित तिवारी, पंकज प्रजापति,अजय सिंह गौर ,संकल्प जैन,हनी जैन, हिमांशु तिवारी, कमलेश पाल, राकेश पाल ,बबलू पाल, शोभाराम पाल, जैकी यादव, अवधेश तिवारी, स्वप्निल तिवारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले में 11 पुलिस अधिकारी हुये इधर से उधर

सीधी।

पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ.रवीन्द्र वर्मा ने प्रशासनिक दृष्टि से जिले के 11 पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया है। जारी आदेश में संबंधित पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नये जगहों में अग्रिम आदेश तक के लिये अस्थाई रूप से कार्य हेतु पदस्थ किया गया है। स्थानांतरण सूची के अनुसार निरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल को रीडर शाखा से थाना कोतवाली प्रभारी, कार्यवाहक निरीक्षक रीता त्रिपाठी को थाना यातायात से महिला थाना प्रभारी, कार्यवाहक निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय को पुलिस लाइन से थाना यातायात प्रभारी, कार्यवाहक निरीक्षक राजेश पाण्डेय को थाना अमिलिया से पुलिस लाइन सीधी, उप निरीक्षक दीपक बघेल को थाना मझौली से थाना चुरहट प्रभारी, उप निरीक्षक अतर सिंह पुलिस लाइन सीधी से थाना मझौली प्रभारी, उप निरीक्षक विवेक द्विवेदी को थाना कोतवाली से थाना कमर्जी प्रभारी, उप निरीक्षक विशाल शर्मा को चौकी सिहावल से थाना अमिलिया प्रभारी, उप निरीक्षक आकाश सिंह राजपूत को पुलिस लाइन से चौकी सिहावल प्रभारी, उप निरीक्षक विकास सिंह को चौकी बम्हनी से थाना कोतवाली एवं कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्र बागरी को थाना सेमरिया से चौकी बम्हनी प्रभारी के पद पर पदस्थ किया गया है।

प्रमुख संक्षिप्त

सूरज एवं प्रशांत का सैनिक स्कूल में चयन

सीधी। सैनिक स्कूल रीवा की प्रवेश परीक्षा में सूरज कोल पिता रामसुशील कोल अहिरान टोला एवं प्रशांत मिश्रा पिता प्रदीप मिश्रा का चयन होने से उनके शुभचिंतकों एवं परिजनों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। द लर्निंग कनेक्शन कोचिंग सेन्टर के शिक्षक निखिल तिवारी चकड़ौर अहिरान तिराहा ने बताया कि सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में लगे दोनो छात्रों ने पूरी तन्यता के साथ पठन-पाठन करते हुये अपनी तैयारी की और कामयाब रहे।

तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से महिला गंभीर

सीधी। जिला मुख्यालय सीधी से 35 किलोमीटर दूर थाना मझौली अंतर्गत ग्राम गिजवार में मोटरसाइकिल चालक की लापरवाही से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार मझौली थाना अंतर्गत सीधी रोड गिजवार में सेवा सहकारी समिति गिजवार के पास दिनांक 23 मई 2025 को सुबह करीब 8ः30 बजे सुनीता नामदेव पति बरमदीन नामदेव उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम गिजवार अपने घर से निकल कर किसी काम से उत्तर दिशा की ओर जा रही थी। अभी अपने घर से लगभग 30-35 मीटर की दूरी ही तय कर पाई थी, की पीछे से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 16 जेडई 6999 पल्सर का चालक लापरवाही पूर्वक पीछे से ठोकर मार दी। हादसे में सुनीता वहीं गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल के सिर में गंभीर चोटें आई तथा कमर, हांथ-पैर चोंटिल हो गया। हादसे के बाद उसे निजी क्लीनिक में प्राथमिक उपचार के पश्चात प्रायवेट वाहन से जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया।

कार्यालय अधीक्षक डाकघर छिंदवाड़ा के अंतर्गत संभाग छिंदवाड़ा में डायरेक्ट सेल्स एजेंट के चयन के लिये साक्षात्कार का आयोजन आज से 04 जून तक

छिन्दवाड़ा।कार्यालय अधीक्षक डाकघर छिंदवाड़ा, संभाग छिंदवाड़ा में डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (पीएलआई/आरपीएलआई) के व्यवसाय अर्जन के लिये डायरेक्ट सेल्स एजेंट का चयन किया जाना है। जिसके लिए साक्षात्कार का आयोजन 26 मई 2025 से 04 जून 2025 तक प्रातः 11 बजे से शाम 04 बजे तक किया गया है। अधीक्षक डाकघर छिंदवाड़ा ने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास या समकक्ष राज्य/केन्द्रीय बोर्ड, आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष तथा कम्प्यूटर ज्ञान एवं स्थानीय क्षेत्र का ज्ञान होना आवश्यक है। ऐसे आवेदक कार्यालय अधीक्षक डाकघर छिंदवाड़ा संभाग, प्रधान डाकघर परिसर जिला अस्पताल छिंदवाड़ा के सामने में निर्धारित तिथि व समय पर अपने आवेदन व बायोडाटा के साथ उपस्थित हो सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को उनके कार्य के आधार पर इंसेंटिव प्रदान किया जायेगा। कोई निर्धारित वेतन की सुविधा नहीं रहेगी। आवेदन तथा अन्य जानकारी के लिये 07162-244771 एवं 9407056446 पर संपर्क किया जा सकता है।

रामनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही दो स्थाई वारंटियों को किया गिरफ्तार

अनूपपुर। जिले के अन्तर्गत थाना रामनगर पुलिस ने स्थाई वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में कानून व्यवस्था बनाए रखने और फरार अपराधियों पर शिकंजा कसने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी श्रीमती आरती शाक्य के पर्यवेक्षण में कांबिंग गश्त की गई।

व्यापारी संघ ने किया राष्ट्रीय क्रिकेटर संस्कृति का सम्मान, विधि केसरवानी और स्नेहा जायसवाल को किया सम्मानित

सीधी

गंगोत्री रिसोर्ट में व्यापारी संघ सीधी एवं युवा व्यापारी संघ सीधी द्वारा वूमेंस प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलने वाली सबसे कम उम्र की संस्कृति गुप्ता जिसने 10 मैच खेल कर फाइनल में जीत हासिल की, सीधी वापस आने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संस्कृति गुप्ता पिता राजकुमार गुप्ता ने 2020 से मध्य प्रदेश वूमेन क्रिकेट टीम की तरफ से खेल रही थी जिसमें उन्होंने अंडर-19 अंडर 23 में बेहतर प्रदर्शन करते हुए वूमेन प्रीमियर लीग में अपनी जगह बनाई। छोटी सी इसी उम्र में जुनून और साहस से भरपूर संस्कृति कई तरह के संघर्षों का सामना करते हुए 20 साल की उम्र में वूमेंस क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई। विधि केसरवानी पिता रमेश केसरवानी ने सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12वीं में 98.2 प्रतिशत प्राप्त कर सीधी जिले की प्रवीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्नेहा जायसवाल पिता अशोक जायसवाल ने एमपी बोर्ड

अंग्रेजी माध्यम कक्षा दसवीं में 97.8 प्रतिशत प्राप्त कर जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंद्र मोहन गुप्ता एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापारी संघ के अध्यक्ष लालचंद गुप्ता ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन सब्जी फल मंडी एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं युवा व्यापारी संघ के महामंत्री अमित गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह बघेल, व्यापारी संघ के संरक्षक सदस्य कन्हैया सिंह, महामंत्री भीम कामदार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिहर सोनी, कोषाध्यक्ष रोशनलाल केशरवानी, सिंधी पंचायत सीधी के अध्यक्ष दिलीप सितानी, स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष हल्के सोनी, केशरवानी समाज के अध्यक्ष विजय गुप्ता, मार्गदर्शक सदस्य चंद्रभान बसंतानी, माखनलाल गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, कोर कमेटी के सदस्य राजेन्द्र सिंह चौहान, कमल कामदार, नरेंद्र केसरवानी सोनू, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद मिश्रा, पंकज सिंह चौहान, संतोष सिंह गहरवार, सदस्य उमेश सोनी, सतीश गुप्ता अखिलेश गुप्ता, वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, वरिष्ठ समाजसेवी मीना गुप्ता, केसरवानी महिला सभा के अध्यक्ष संगीता केसरवानी, नीता गुप्ता, सोनांचल सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश सोनी, सब्जी फल मंडी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मुन्नालाल जायसवाल, युवा व्यापारी संघ के अध्यक्ष सनी मोटवानी, कार्यकारी अध्यक्ष रत्नेश सोनी, उपाध्यक्ष शिव शंकर गुप्ता, मंत्री अनूप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

उप-राष्ट्रपति करेंगे कृषि उद्योग समागम 2025 का शुभारंभ

राज्यपाल पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव त्रि-दिवसीय समागम में होंगे शामिल

26 से 28 मई तक नरसिंहपुर समागम में नवाचार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं के खुलेंगे द्वार

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश में ÷उद्योग एवं रोजगार वर्ष÷ के अंतर्गत ÷कृषि उद्योग समागम 2025÷ प्रदेश के कृषि क्षेत्र को उद्योग, नवाचार और निवेश से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल बनकर सामने आया है। त्रि-दिवसीय समागम का शुभारंभ सोमवार 26 मई को नरसिंहपुर में कृषि उपज मंडी के समीप उप राष्ट्पति श्री जगदीप धनखड़ करेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवसहित किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, सूक्ष्म,लघु और मध्?यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप, स्थानीय सांसद, क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधि, कृषि उद्यमी, निर्यातक समूह के प्रतिनिधि, कृषि नवाचार कंपनियां, एफपीओ, किसान संगठन और बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहेंगे। समागम 28 मई तक चलेगा। समागम से खुलेंगे रोजगार के नये द्वार- 'कृषि उद्योग समागम 2025' का उद्देश्य प्रदेश की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन से जोड़ते हुए निवेश, नवाचार और नौकरियों के नए द्वार खोलना है। मध्यप्रदेश अब गेहूं, दलहन, तिलहन, दुग्ध उत्पादन से लेकर एग्री-टेक तक कृषि से जुड़ी संभावनाओं का राष्ट्रीय केंद्र बनता जा रहा है। नरसिंहपुर की तुअर दाल को ÷वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट÷ योजना के तहत राज्य की पहचान के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है, जो स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाज़ार से जोड़ने की दिशा में सार्थक कदम है। यह समागम नीतिगत घोषणाओं को जमीनी क्रियान्वयन और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में बदलने का सशक्त उदाहरण बनेगा।

शुगर उद्यमियों से मुख्यमंत्री करेंगे संवाद- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गन्ना उत्पादक किसानों के हित में शुगर इंडस्ट्री निवेशकों से संवाद करेंगे। निवेशकों को नरसिंहपुर अंचल में शुगर इंडस्ट्रीज की स्थापना और उसके संबंध में राज्य शासन की प्रोत्साहन नीतियों पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को हितलाभ प्रदान करेंगे और कृषि निवेश से जुड़े समूहों से भी संवाद करेंगे। नरसिंहपुर अंचल को चीनी उद्योग का केंद्र बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम होगा। तकनीक व नवाचार का प्रदर्शन- समागम स्थल पर एग्री-हॉर्टी एक्सपो के तहत आधुनिक कृषि यंत्र, ड्रोन, एआई आधारित उपकरण, पॉलीहाउस, जैविक व नैनो उर्वरक, दुग्ध एवं गौशाला उत्पाद, और जल कृषि मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे।

महिला अपहरण, मानव तस्करी एवं दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी गोकुल सिंह को सीधी पुलिस ने राजस्थान से किया गिरफ्तार

शहडोल।

थाना सीधी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरही कछार निवासी पीड़िता उम्र 40 वर्ष के लापता होने पर थाना सीधी

में गुम इंसान पंजीबद्ध किया गया था। तलाश के दौरान महिला को 1 अप्रैल 2025 को जिला झालावाड़ (राजस्थान), थाना पीडावा के ग्राम गोविंदपुरा से दस्तयाब किया गया। पीड़िता से पूछताछ पर आरोपियों द्वारा उसके साथ शारीरिक शोषण करना एवं बंधक बनाकर रखना सामने आया। जिस पर सीधी पुलिस द्वारा पूर्व में 3 मई 2025 को आरोपी जगदीश लाल एवं जगदीश मेघवाल को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल दाखिल किया जा चुका है। उक्त प्रकरण में दो आरोपी गोकुल सिंह एवं आरोपी फूलचंद मेघवाल लगातार फरार चल रहे थे। जिसपर फरार चल रहे आरोपी गोकुल सिंह पिता नैन सिंह, उम्र 37, निवासी हरनौदा, पगारिया, जिला झालावाड़, राजस्थान को निरंतर प्रयासों के पश्चात सीधी पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसडीओपी की शिकायत करना पत्रकार को पड़ा महंगा! आईजी को शिकायत भेजने पर दर्ज हुई झूठी एफआईआर!

सीधी।

जिले में पत्रकारों को निष्पक्ष खबरों का प्रकाशन करना भी अब जोखिम में फंसता जा रहा है। ऐसे ही मामले में चुरहट थाना क्षेत्र में पत्रकारिता के दायित्व का निर्वहन करना पत्रकार शिवेंद्र तिवारी को महंगा पड़ गया। सूत्रों के अनुसार उन्होंने क्षेत्र के एसडीओपी आशुतोष द्विवेदी के खिलाफ व्हाट्सएप के माध्यम से आईजी रीवा को एक शिकायत भेजी थी। जिसमें उनके कार्यों पर सवाल उठाए गए थे। इस शिकायत के कुछ ही दिनों बाद चुरहट पुलिस ने उनके और संदीप तिवारी के खिलाफ 20 मई 2025 को झूठी एफआईआर दर्ज कर दी।

एफआईआर में बीएनएसएस 2023 के अंतर्गत गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। जिनमें धारा 296, 115(2), 351(3), 324(4), 126(2), धारा 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। हालांकि एफआईआर में जो समय और दिनांक 20 मई 2025 समय 16 बजे दर्ज है उसी समय संदीप तिवारी के रीवा में मौजूद होने की पुष्टि जीपीएस लोकेशन, व्हाट्सएप चैट, गवाहों और सीसीटीव्ही फुटेज से हो चुकी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह घटना कभी घटी ही नहीं और एफआईआर पूरी तरह से मनगढ़ंत है।

पत्रकार संगठनों ने की निंदा

पत्रकारों के विभिन्न संगठनों ने इस घटना की निंदा की है। पत्रकार सुरक्षा मंच के संयोजक ने कहा कि प्रशासन पत्रकारों की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है और यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर शिवेंद्र तिवारी और उनके समर्थकों ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और गृह मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। साथ ही आईजी रीवा से निष्पक्ष जांच और एफआईआर की न्यायिक समीक्षा की भी अपील की है।

मनरेगा के कार्यों में मशीन से हो रहा काम फर्जी मास्टर भरकर निकल जाती है राशिजिम्मेदार अधिकारियों के सह पर मनरेगा योजना में हो रहा भ्रष्टाचार

सीधी।

जिले के जनपद पंचायत गोपद बनास अंतर्गत ग्राम पंचायत भगोहर में मनरेगा योजना के तहत धड़ल्ले से मशीन से कार्य कराया जा रहा है। मशीनों से कार्य करने से ग्रामीण आदिवासी क्षेत्र में मनरेगा मजदूरों पर काम का संकट तो आ ही गया है। हालत यह है कि मजदूरों को आर्थिक संकट का सामना भी करना पड़ रहा है। जिसका ताजा मामला जनपद पंचायत गोपद बनास अंतर्गत ग्राम पंचायत भगोहर के ग्राम बडेरा से सामने आया है। यहां मनरेगा के विभिन्न कार्यों को मजदूर से ना कराकर मशीन से कराया जा रहा है जिसके चलते ग्राम के मनरेगा मजदूरों ने इस मामले का शिकायत मौखिक रूप से कई बार ग्राम सभा में किया लेकिन झूठ आश्वासन देकर बहला-फुसला लिया जाता है। उप सरपंच, सचिव फिर आगे वही पुराना रवैया अपना लेते हैं। जिससे परेशान होकर ग्रामीणों ने मीडिया से संपर्क कर फरियाद की। कार्यों का विरोध करते हुए बताया अपनी समस्या पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक का दिन प्रतिदिन हौसला और भी बुलंद हो रहा है। नियमों को ताक में रखकर जेसीबी मशीन से खेत तालाब का निर्माण कर दिया गया है।

मिली भगत से हो रहा भ्रष्टाचार

ग्राम पंचायत भगोहर में उप सरपंच, सचिव की मिली भगत के चलते राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी मनरेगा में मजदूरों को रोजगार देने की बजाय मशीनों से कार्य धड़ल्ले से कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत अंतर्गत लगभग एक दर्जन से अधिक के कार्य में जेसीबी की मदद से कार्य करवाया गया है और फर्जी मजदूरों की मास्टर रोल भरकर मजदूरी की राशि भी आहरण कर ली जाती है।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिला अस्पताल में राम रसोई सेवा का किया शुभारंभ

टीकमगढ़

जिला अस्पताल टीकमगढ़ में मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन उपलब्धता हेतु एक सराहनीय पहल के अंतर्गत बी क्लब द्वारा आरंभ की गई *÷राम रसोई÷* सेवा का शुभारंभ दिनांक 24 मई 2025 को **पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई* द्वारा फीता काटकर किया गया। यह सेवा जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को *निःशुल्क भोजन* उपलब्ध कराने हेतु प्रारंभ की गई है, जो कि नियमित रूप से संचालित की जाएगी। उद्घाटन अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री मंडलोई ने संगठन के सदस्यों के साथ मिलकर मरीजों को *फल वितरण* भी किए और इस सेवा भावना की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। पुलिस अधीक्षक ने संगठन को अपेक्षित सहयोग का *आश्वासन* भी दिया और समाजसेवा की इस पहल को अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर वी क्लब से महक अग्रवाल एवं क्लब के सदस्य , तथा जिला महिला प्रकोष्ठ से महिला प्रधान आरक्षक रानू विश्वकर्मा, महिला आरक्षक कीर्ति बुंदेला एवं मानसी तिवारी उपस्थित रहीं।

खास

शौर्य सम्मान यात्रा में शामिल होने जा रहे थे अधिवक्ता

एसडीएम के वाहन से अधिवक्ता हुए चोंटिल

सीधी।

यदि किसी प्रशासनिक अधिकारी के वाहन से एक्सीडेंट हो जाए और उक्त अधिकारी न तो पीड़ित का हाल जाने, न एम्बुलेंस बुलाए और न ही अपने या किसी अन्य वाहन से उसे अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करे और मौके से चुपचाप खिसक ले तो इसे क्या कहेंगे। शुक्रवार की करीब 5 बजे की यह घटना है। जहां न्यायालय परिसर से शौर्य सम्मान यात्रा में शामिल होने के लिए अधिवक्ता विजय सिंह जा रहे थे। तभी एसडीएम के वाहन क्रमांक एमपी 02 एव्ही 6607 जिसके नंबर प्लेट के ऊपर लिखा हुआ था के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए जिला न्यायालय सीधी के सामने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे अधिवक्ता के हाथ, पैर और कमर में चोट आई है। वहीं बाइक का भी

नुकसान हुआ है। कोई बड़ी अनहोनी होने से बच गई। घटनास्थल पर अनेकों अधिवक्ता उपस्थित थे। सीनियर अधिवक्ता अरविन्द शुक्ल ने अपने वाहन से अस्पताल में भर्ती कराया। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह बघेल ने भी तुरंत अस्पताल पहुंचकर हालचाल जाना। इनके अतिरिक्त वरिष्ठ अधिवक्ता अंजनी कुमार उर्मलिया, कामरेड सुंदर सिंह बघेल, अनिमेष शुक्ल, रावेन्द्र शर्मा, सुनील पटेल, मनसुख नवैत, अखिलेश नापित सहित अन्य लोगों ने अस्पताल पहुंच कर कुशलक्षेम जाना।

बनता है हिट एंड रन का मामला

सड़क हादसे को रोकने के उद्देश्य से सरकार ने नया कानून बनाया है, जिसके तहत यह मामला भी आ रहा है, बता दें कि नए नियम में इस बात का साफ उल्लेख किया गया है कि अगर वाहन चालक द्वारा घायल व्यक्ति को उपचार के लिए समीपी अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता है तो उसके खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज होगा। इस कानून में जहां भारी भरकम जुर्माने का प्रावधान है वहीं चालक का लाइसेंस भी निरस्त करने का उल्लेख है, ऐसे में अधिवक्ता विजय सिंह के साथ हुई सड़क दुर्घटना में दोषी चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज कर कार्यवाही की आवाज उठाई गई है।

एसडीएम को देनी चाहिए संवेदनशीलता का परिचयः अरविंद

इस मामले में जिला न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद शुक्ला ने कहा कि हमारे साथी अधिवक्ता विजय सिंह के घायल की जानकारी जैसे ही हुई हम तुरंत वाहन से अस्पताल ले गए। उन्होने कहा कि डिप्टी कलेक्टर लोकसेवक होते हैं। वह खुद बैठे थे, उनके ड्रायवर भी गाड़ी से उतरना उचित नहीं समझे। जबकि उनकी संवेदनशीलता होनी चाहिए कि चोंटिल अधिवक्ता को उपचार के लिए अस्पताल में ले जाए। यह बिल्कुल गलत है इसका हम विरोध करते हैं।

बल्देवगढ़ में जंप की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

मुद्दों पर होगी जंग जिसका कोई नहीं उसका जंप-अध्यक्ष

टीकमगढ़

जिले में पत्रकार ईकाई का वृहद संगठन जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ़ मध्य प्रदेश (जम्प) की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक बल्देवगढ़ नगर के सर्किट हाउस में आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन बल्देवगढ़ तहसील इकाई द्वारा किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभय मोर के द्वारा की गई। बैठक की शुरुआत में जर्नलिस्ट यूनियन आफ मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष व टीकमगढ़ जिले में जम्प के संस्थापक अधिमान्य पत्रकार स्वर्गीय विष्णु दयाल श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया एवं उनके सहयोग व संघर्ष को जिले के पत्रकार जगत में उनके योगदान को याद किया गया। तत्पश्चात संगठन के मजबूती, विस्तार एवं पत्रकारों की इस बदलते परिवेश में भूमिका पर सभी पत्रकारों के द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए।इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि जिला अध्यक्ष अभय मोर की अध्यक्षता में

जिला सहित तहसील स्तर की नई कार्यकारिणी गठित कर जिले की कार्यकारिणी को नया स्वरूप दिया जाए। साथ ही संगठन के विस्तार के लिए साफ-स्वच्छ पत्रकारिता कर रहे पत्रकार साथियों को जोड़ा जाए जो संगठन के प्रति निष्ठा से कार्य करें। प्रत्येक एक दो माह में संगठन की एक बैठक अलग-अलग तहसील इकाई पर आयोजित की जाए। समाचार, समस्याएं व खबरें आदि प्रकाशित करने पर यदि किसी अधिकारी या नेता द्वारा संगठन के सदस्य के प्रति दुर्भावना के साथ कोई कार्य किया जाता है, तो समस्त संगठन उस सदस्य के साथ खड़ा रहेगा एवं यह लड़ाई जम्प संगठन की होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन मुद्दों को लेकर जम्प संगठन के प्रमुख स्वर्गीय विष्णु दयाल श्रीवास्तव द्वारा जो जंग छेड़ी गई थी, उन अधूरे कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। जैसे पत्रकार भवन को मुक्त कराया जाए, जम्प संगठन के सदस्यों को अधिमान्यता दिलाई जाए सहित अन्य विषय पर भी कार्य किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित हुए पत्रकार साथियों के प्रति बैठक के आयोजक बल्देवगढ़ ईकाई हरिश्चंद्र यादव, अखंड यादव एवं मुन्नालाल सोनी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष अभय मोर, शेख हनीफ खान, सत्तार बाबा, समीर खान, अकरम खान, अफसर खान, गंधर्व सिंह बुंदेला, संतोष खरे, जमील खान, सुरेंद्र राय, पुष्पेंद्र सिंह, सोनू विश्वकर्मा, लोकेंद्र सिंह, अवधेश वर्मा, नारायण दास मुन्ना सोनी, हरिश्चंद्र यादव, अखंड यादव, मोहसिन खान, नीरज यादव, विकास राय, ललित दुबे, दुर्ग सिंह घोष, धर्मेंद्र यादव, सालम खान, प्रतीक रामचंदानी, अलहव खान, अहमद खान, इरफान खान, रानू खां, मोहम्मद उबेश खान, इरफान बाबा सहित अन्य पत्रकार बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गायत्री यादव स्व-सहायता समूह से जुड़कर बनी आत्मनिर्भर और सशक्त, पति को भी सेटरिंग के व्यवसाय से जोड़ दिया

शहडोल।

शहडोल जिले के तहसील सोहागपुर के ग्राम बैगइया की रहने वाली गायत्री यादव ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारा, बल्कि समाज में एक सशक्त महिला के रूप में अपनी पहचान भी बनाई है। पहले वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते आर्थिक तंगी से जूझ रही थीं, परिवार खेती एवं मजदूरी करके जीवन-यापन कर रहा था। ग्रामीण आजीविका परियोजना द्वारा गठित किए जाने वाले ज्योति स्व-सहायता समूह में सदस्यता लेने के बाद उनके जीवन की दशा बदलने लगी। उन्होंने अपने लिए स्वरोजगार की व्यवस्था तो की ही पति को भी सेटरिंग के व्यवसाय से जोड़ लिया। जिससे उनके परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से नई पहचान मिलने लगी। आज गायत्री यादव ने अपने गांव में तथा परिवार में आत्मनिर्भर महिला की पहचान बना ली है। श्रीमती गायत्री यादव का कहना है कि अब मै आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्व-सहायता समूह से जुडकर आत्मनिर्भर हो चुकी हूं। शुरूआत में हमने सीसीएफ से 10 हजार रूपये का लोन लेकर अपने पति के लिए सेटरिंग का कार्य शुरू करवाया, इसके बाद उस

लोन को चुकाकर फिर एक लाख रूपये का सीआईएफ से लोन लिया और ऑनलाइन की दुकान संचालित की अब सेटरिंग एवं ऑनलाइन की दुकान बेहतर ढंग से चल रही है। मैं अब पैसो के लिए ईधर-ऊधर नही भटकती हूं। अब मैं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त हो चुकी हूं। अब बच्चों की पढ़ाई तथा परिवार के संचालन में सहयोग करती हूं। जिससे घर परिवार में भी मेरा सम्मान बढ़ गया है। श्रीमती गायत्री यादव ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनने के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने की समझाईस दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाओं के कारण मेरी आर्थिक एवं सामजिक स्तर में सुधार हुआ। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद करती हूं।

प्रमुख संक्षिप्त

सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों से लॉ कॉलेज में एल.एल.एम. और सौंसर के कॉलेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया हुई प्रारम्भ

छिन्दवाड़ा । सांसद बंटी विवेक साहू ने सतपुड़ा विधि महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में एल.एल.एम. और लिटिल स्टेट कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी बोरगांव में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के लिए केन्द्रीय शिक्षा एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकान्त मजूमदार को पत्र प्रेषित किया था। जिसके जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. सुकान्त मजूमदार ने सांसद बंटी विवेक साहू को पत्र प्रेषित कर दोनों कॉलेजों में नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की प्रक्रिया प्रारम्भ होने की जानकारी दी। राज्य मंत्री श्री मजूमदार द्वारा प्रेषित किये गये पत्र में उल्लेख किया गया है कि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वारा दोनों कॉलेजों में नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। जो जल्द ही पूरी कर ली जायेगी। उन्होंने लिखा है कि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर द्वारा कॉलेज में नवीन कोर्स प्रारम्भ करने हेतु संबद्धता दिये जाने के लिए परिनियम/नियम निर्मित किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। जिसे विद्या परिसर एवं कार्य परिसर के अनुमोदन उपरांत तदनुसार संबद्धता की कार्यवाही की जायेगी।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पुलिस लाइन खेल परिसर पर समर कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है

इस प्रतियोगिता में वही बच्चे भाग ले रहे है जिन्होंने समर कैंप का फॉर्म भरा है प्रतियोगिता का आयोजन तीन समूह में किए जाएंगे अंडर 12 अंडर 15 और अंडर -19 आयु वर्ग में द्य आज सुबह मिनी वर्ग में दो मैच खेले गये पहला मैच रॉयल चैलेंजर और सनराइजर्स के बीच खेले गया जिसमें दोनों टीम ने एक-एक गोल किया और मैच बराबरी पर समाप्त हुआ जबकि दूसरा मैच किंग्स एकादश और फाइटर के बीच खेला गया है जिसमें किंग्स एकादश ने फाइटर क्लब को तीन जीरो से हराया आज के मैच के मुख्य अतिथि पुलिस पेंसेनर पूर्ब टी आई खलील खान, सुरेश कुमार दोन्देरिया, आकाश चतुर्वेदी, पुरुषोत्तम चतुर्वेदी, पूर्व डिप्टी रेंजर रमेश कुमार शर्मा, हकीम मौलवी वाहिद अली रहे द्य आज के मैच के निर्णायक शाहरुख खान एवं कुमारी जूही वाल्मीकि थे टूर्नमेंट को सफल बनाने में श्री अनूप मंडल फुटबॉल प्रशिक्षक और श्री सपनेश चौधरी का सराहनीय योगदान रहा द्य प्रतियोगिता का फाइनल मैच 29 मई को खेला जाएगा जिसमें विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को शील्ड और मेडल से सम्मानित किया जाएगा द्य जो बच्चे समर कैंप में 100 प्रतिशत उपस्थित रहे ।

अवैध परिवहन करते थाना करनपठार पुलिस ने की कार्यवाही

अनूपपुर।

वरिष्ट अधिकारियों एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के निर्देशन में थाना प्रभारी करनपठार निरी. पी. सी कोल एवं चैकी प्रभारी सरई उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे के नेतृत्व में हमराह प्रआर. 155 कृष्ण कुमार पटेल, आर. 346 साहब सौर, सैनिक राम कमल तिवारी आर. 287 विनोद अयाम के 25 मई को दौरान गस्बा भ्रमण हम. उप निरी. मंगला दुबे चैकी प्रभारी सरई, आर. 346 साहब सौर. सैनिक 105 राम कमल तिवारी के साथ कस्बा भ्रमण कोम्बिंग गस्त से ग्राम अहिरगंवा तरफ से वापस खमरौध होते हुये आ रहा था जैसे ही पयाहीं तिराहा के पास पहुंचा कि विश्वनीय मुखबीर से सूचना रूबरू हुआ कि पिक अप. क्र. एमपी 18 जेडई 8236 में पील रंग के त्रिपाल से ढक कर बैल लोड करके कूरता पूर्वक वध करने हेतु लेकर जबलपुर तरफ जा रहे है। मुखबीर की सूचना की सत्यता की जांच हेतु मौके के स्टाप एवं चैकी प्रभारी को अवगत कराया जाकर स्वतंत्र साक्षी राजेन्द्र मार्को पिता फूलचंद मार्को उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम सरई व बालकरण ढोलिया पिता बिसाहू ढोलिया उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम सरई के समक्ष समय 09.40 बजे। मुखबीर की सूचना से अगवत कराया जाकर मुखबीर सूचना का पंचनामा तैयार किया गया। तथा अहिरगंवा तिराहा के पास हमराह स्टाप तथा गवाहो के लेकर पिक अप का इन्तजार करता रहा। कि कुछ देर बाद पतखई तरफ से एक पिकप मुखबीर के बताये हुलिया की बडी तेजी से आती दिखाई दी जिसे रोकने का

प्रयास किया जो पिकप का ड्रायवर काफी तेजी से पिकप को भगाया जिसे करपा तिराहा सरई के पास पिकप को रोका तथा रोकने पर ड्रावर एवं पिक अप में बैठे दो अन्य लोग भागने का प्रयास कर रहे थे जिनके अभिरक्षा में पिकप सहित लेकर पुलिस चैकी सरई आकर ड्रायवर सीट पर बैठे व्यक्ति का नाम पता पछने पर अपना नाम गणेश प्रसाद बैगा पिता छोटकुन बैगा उम्र 24 वर्ष नि.लालपुर थाना बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.) व बगल में बैठे, शनि बैगा पिता रामचरण बैगा उम्र 21 वर्ष नि. लालपुर थाना करनपठार जिला अनूपपुर (म.प्र.), तेज कुमार महरा पिता झंगलू महरा नि. लमसरई थाना करनपठार जिला अनूपपुर (म.प्र.) का होना बताये पूछताछ करने पर तीनो के द्वारा मेमो कथन में बुढार कटकोना से लोड करना तथा जबलपुर बूचड खाना वध कराने हेतु लेकर जाना बताया तथा मौके पर पिकप व पिकप में लोड बैल 06 रास के दस्तावेज चाहे गये जो आरोपी चालक गणेश के द्वारा बताया कि उक्त पिकप का मालिक स्वयं का होना बताया तथा पिकप के कागजात व ड्रायविंग लाईसेन्स मौके पर होना नही बताया धारा 94 बी. एन. एस. एस. का नोटिस दिया जाकर पिकप में लोड बैल के दस्तावेज चाहे गये जो मौके पर चाहे गये जो मौके पर होना नही बताया तथा मौके पर दस्तयाबी पंचनामा तथा हुलिया पंचनामा तैयार किया जाकर आरोपीगणो का कृत्य म. प्र. गौ वंश वध प्रतिषेध अधि. 2004 की धारा 4, 6(क) एवं पुश परि. की धारा 6, 6(क) (ख), 9-10, 11 घ पशु क्रूरता अधि. 66/192, 3/181, 130 (3)/177 मो. व्ही. एक्ट के अंतर्गत अपराध पाये जाने से आरोपीगणो को विधिवत प्रथक प्रथक गिरफ्तार किया जाकर गिरफ्तारी की सूचना से परिजनो को अवगत कराया जाकर जप्त सुदा जानवरो को सुरक्षार्थ कांजी हाऊस गौ शाला सालरगोंदी में खाने पीने की समुचित व्यवस्था के साथ रखवाया गया है। एवं सुपुर्दी पावती प्राप्त किया जाता है। तथा जप्त सुदा बैलो का स्वास्थ्य परीक्षण तहरीर पशु चिकित्सक को भेजा जाता है । वापसी पर आरोपीगणो के विरूद्ध धारा म.प्र. गौ वंश वध प्रतिषेध अधि. 2004 की धारा 4, 6(क) एवं पुश परि. की धारा 6, 6(क) (ख), 9-10, 11 घ पशु क्रूरता अधि. 66/192, 3/181, 130(3)/177 मो.व्ही. एक्ट का अपराध प्रमाणित पाये जाने से पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एक नाबालिग बालिका को रामनगर पुलिस ने दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

अनूपपुर।

जिले के अन्तर्गत रामनगर पुलिस ने 14 नवम्बर को एक नाबालिग बालिका के गुम होने की सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए रामनगर पुलिस द्वारा खोजबीन प्रारंभ की गई थी। लगातार प्रयासों एवं तकनीकी सहायता के माध्यम से दिनांक 25 मई को उक्त नाबालिग बालिका को ग्राम चंदौली, बाणसागर, जिला शहडोल से सकुशल दस्तयाब किया गया है। इस संपूर्ण अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में किया गया। अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी श्रीमती आरती शाक्य के नेतृत्व में थाना स्तर पर गठित विशेष टीम द्वारा कार्यवाही की गई। टीम में थाना प्रभारी सुमित कौशिक, उनि श्रीमती फूलवती, एसआई बी.एल. परस्ते एवं एएसआई विनोद नाहर, आर पंकज मिश्रा साइबर सेल अनूपपुर शामिल रहे, जिन्होंने अथक परिश्रम, सतत निगरानी एवं सूझबूझ के साथ बालिका को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की। दस्तयाब की गई बालिका को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही उपरांत परिजनों के सुपुर्द किया गया।

शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में जैव विविधता पर कार्यशाला संपन्न

प्रतिभागी छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता में जैवविविधता को चित्रों मे उकेरा

छिन्दवाड़ा। अंतर्राष्टीय जैव विविधता के महत्व के बारे जागरूकता बढ़ाने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम कुकड़ा ग्राम उत्थान समिति के द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड वन विभाग भोपाल के सहयोग से शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में म.प्र.जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक श्री दीपक गेडाम, कुकड़ा ग्राम उत्थान समिति के संयोजक श्री श्यामल राव, मुख्य अतिथि पेंच नेशनल पार्क छिंदवाड़ा के एस.डी.ओ. श्री भगवती प्रसाद तिवारी एवं रेंज ऑफिसर मार्तंड सिंह मरावी की उपस्थिति में जैव विविधता पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता के साथ कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला में उपस्थित सीएमसीएलडीपी के छात्रों को सम्बोधित करते हुये श्री श्यामल राव ने कहा कि जीवन को बनाये रखने के लिए पृथ्वी पर जैव विविधता आवश्यक हैं और इसके बिना हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र और जीवन शैली को खतरा हो सकता है। इसलिए वर्तमान में जैव विविधता के संरक्षण के जगह-जगह पर कार्यशाला, रैली, चित्रकला एवं जनसंवाद कार्यक्रम चलाकर आम जनों को जागरूक कर भावी पीढ़ी का जीवन सुरक्षित रखने का संदेश दिया जा रहा है । उद्बोधन की इस कड़ी में श्री भगवती प्रसाद तिवारी ने कहा कि प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से मानव का जीवन सुरक्षित नहीं हो पा रहा है। किसानों के द्वारा खेतों में नरवाई जलाने से भूमि में पल रहे जीवों में केचुआ का अस्तित्व खत्म हो रहा है, इसे रोकने के लिए हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए । रेंज ऑफिसर श्री मरावी ने कहा कि प्रथ्वी पर विभिन्न जीव जंतु, पेड़-पौधों का समूह होता है।, जैव विविधता को दो तरह से देखा गया है, जिसमें प्रकृति के साथ जी रहे जीव और चिड़िया घर में पल रहे जीवों के आवास में संरक्षित कर रहे है। हमारा कर्तव्य है कि जल, थल, और नभ में पल रहे जीवों का संरक्षण करें । विकासखंड समन्वय श्री दीपक गेडाम ने जैव विविधता संरक्षण के लिये बनाये गये चित्रकला के लिए सभी प्रतिभागियों को शुभकामना दी । इसके बाद चित्रकला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों मे प्रथम स्थान पर यश्विनी बाचेकर, व्दितीय स्थान पर संगीता मदनकर और तृतीय स्थान पर अंश मदनकर व सांत्वना पुरस्कार शिवानी चौरिया को उपस्थित अतिथियों के हस्ते मेमेंटो देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में परामर्शदाता श्री योगेश बोपचे, श्री लक्ष्मीधर माहोरे, श्री रामराज वर्मा, श्रीमती जमुना चोरिया सहित म.प्र.जन अभियान परिषद में अध्ययनरत सीएमसीएलडीपी के छात्रों का विशेष सहयोग रहा।

जमुई फिर हुई जुए को लेकर बदमान.. पड़ोसी जिले से आया खिलाड़ी ने जमाया खेला

शहडोल।

शहडोल पुलिस कप्तान के सख्त निर्देश है कि सट्टा जुआ जैसे अपराध कतई बक्से ना जाएं इन पर पूर्ण रूप से लगाम कसी जाए इन्हीं निर्देशों के बीच पड़ोसी जिले के एक शातिर जुआरी ने शहडोल पुलिस को चुनौती देते हुए शहडोल जिला मुख्यालय से लगे जमुई गांव को अपना गढ़ बनाया, बताया गया कि पाली के कालू जुआरी ने लाला, दीपू और कमलेश के साथ मिलकर बघेल ढाबा के पीछे हुए की फड़ बैठती शुरू की हालाकी मामला मीडिया के संज्ञान में आने के बाद बीच-बीच में पढ़ के ठीक है गोधरा डेक्कन फैक्ट्री के आसपास एवं अन्य स्थानों पर बदले गए लेकिन हेलीपैड को परमानेंट ठीहा बनाकर रखा गया है। रजुश का जुआ तो जमुई की पाक साफ हवा को पहले ही प्रदूषित कर चुका है ऐसे में बाहरी जिलों के चीन जुजारी का शहडोल सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुई में संरक्षण लेना सुहागपुर पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग रही है तो वहीं जमुई एक बार फिर हुए को लेकर सुर्खियों में आई

और जमुई की साख पर फिर बट्टा लगा.. बताया यह भी जाता है कि जमुई के पुराने जारी अब इसी जुआ फड़ में शिरकत कर रहे हैं जिसमें हफ्ते के हफ्ते मैनेजमेंट के लिफाफे स्थानीय जिम्मेदारों को भेजे जाते हैं यही कारण है कि मामला ठंडा बस्ते में रहता है।

नामचीन कालू पहुंच जमुई

बताया जाता है कि पाली का नामचीन जुआरी कालू ने शहडोल पहुंचकर जमुई को अपना ठीहा बनाया है जहां उसके साथ लाला दीपू कमलेश एवं स्थानीय जुआरियों को मिलाकर प्रतिदिन जुआ फड़ को अंजाम देकर लाखों की नाल वसूली कर रहे हैं.. और स्थानीय पुलिस सब कुछ जानते हुए भी अनजान बनी है। इसके अलावा कटनी के बड़वारा से लेकर छत्तीसगढ़ के महेंद्रगढ़,बैकुंठपुर तक के जुआरी इस जुआ फड़ में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

जुए के अन्य ठीहे भी चर्चे में

जमुई के बहुचर्चित जुआ फड़ के अलावा अमलाई, बकेली,बुढार पकरिया,सिंगपुर सहित अन्य जुआ फड़ भी शहडोल में चर्चा में शामिल रहे हैं। तो वही अमलाई जिले की सीमा से लगे चचाई का बहुचर्चित जुआ एक अरसे से चर्च में रहा है अब देखना यह होगा की चचाई के नवागत थाना प्रभारी कैसे बहुत चर्चित जुआ पर प्रतिबंध लगा पाते हैं या नहीं। इसके अलावा अमलाई, धनपुरी के बहुत चर्चित जारी का एक गिरोह प्रतिदिन कथित क्षेत्र में ही जुए फड़ का संचालन कर रहा है जिनके नाम फोटो और वीडियो जग जाहिर है जिसकी चर्चा हम अगले अंक में करेंगे।

6 सूत्रीय मांग ना पूरा किए जाने पर शिवसेना ने मुख्य मार्ग पर किया धरना, प्रदर्शन

अनूपपुर

शिवसेना की 6 सूत्रीय मांग पूरी न किए जाने पर शिवसेना के संभाग प्रमुख पवन पटेल के नेतृत्व में सैंकड़ों शिवसेनिकों के द्वारा कोतमा भालूमाड़ा मुख्य मार्ग में धरना/विरोध प्रदर्शन किया गया।जिसमें शिवसेना की मुख्य मांगे निम्न प्रकार थी। पहली मांग कोतमा कदम टोला वार्ड क्रमांक 11 में नाली निर्माण, सड़क निर्माण, धार्मिक पंडाल निर्माण के लिए वन विभाग के द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया जाना।दूसरी मांग शिवसेना नेता पवन पटेल के द्वारा कोतमा नगर पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितताएं और जनसुविधाओं के खिलाफ आवाज उठाई थी जिस पर इसके जवाब में कोतमा नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ कोतमा,सीएमओ प्रदीप झारिया, उपयंत्री ओमवती तिवारी के द्वारा प्रतिशोधात्मक कार्यवाही बिना कोई नोटिस जारी करते हुए उनके बड़े भाई नरबद पटेल के घर का नल कनेक्शन काट दिया गया।तीसरी मांग कॉलरी प्रबंधन के द्वारा रोड और नाली नहीं बनवाया जाना।चौथी मांग कोतमा कदम टोला में आंगनबाड़ी भवन, सामुदायिक भवन, धार्मिक पंडाल ना होना।पांचवीं मांग कोतमा नपा कर्मचारी राजेश मिश्रा के द्वारा दो साल पूर्व कदम टोला निवासी नरबद पटेल से नल कनेक्शन के लिए 2000 रुपए और कनेक्शन के लिए सारे दस्तावेज लेने के बाद लिए गए राशि का दुरुपयोग कर नल कनेक्शन को रजिस्टर नहीं करवाया गया साथ ही नपा कर्मचारी सुनीता पांडे के द्वारा कदम टोला निवासी ममता बैगा से नल कनेक्शन राशि 2000 रुपए लेने के नल कनेक्शन रजिस्टर न करते हुए पैसे का दुरुपयोग कर लिया गया ,नपा कोतमा में अवैध नल कनेक्शन होना और दोषी कर्मचारियों पर कोतमा सीएमओ के द्वारा कार्यवाही न करना।एवं छठवीं मांग कोतमा नगर पालिका में व्याप्त अनियमिततायो के साथ कई निर्माण कार्य किया जा रहे हैं ।

खास

मिलेट्स के कीट प्रबंधन के बारे नए सुझाव प्रस्तुत किए

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के 110 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष है कथन का किया गया आयोजन

शहडोल।

विश्व जैव विविधता भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा अपने 110 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष हैकथन का आयोजन होटल नर्मदा जैक्सन जबलपुर में किया गया। इस बार कार्यक्रम का मुख्य विषय ÷जैव विविधता संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन÷ था, जो विशेष रूप से अर्ध-शुष्क क्षेत्रों की जैव विविधता पर केंद्रित रहा। इस हैकथन में पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के प्राणीशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों एवं फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवाचार से भरपूर प्रस्तुतियाँ दीं। अंकित शुक्ला एवं रितु पांडेय ने ''भविष्य के खाद्यान्न खतरे में खेत से लेकर भंडारण तक अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में बाजरे की सुरक्षा सुनिश्चित करना'' विषय पर प्रेजेंटेशन दिया। अंकित शुक्ला ने बताया कि अर्द्ध शुष्क क्षेत्र में मिलेट्स (बाजरा आदि) की खेती एक व्यवहारिक विकल्प है, क्योंकि यह फसल 60 से 80 दिनों में तैयार हो जाती है, जबकि गेहूं और धान को पकने में तीन

महीने लगते हैं। इसके साथ ही इसमें पानी की आवश्यकता भी कम होती है, जिससे यह अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त समाधान बन सकती है। साथ ही इसके मिलेट्स के कीट प्रबंधन के बारे नए सुझाव प्रस्तुत किए। प्रिंसी सिंह, शिवम् भगत और ईशा कहार ने एक ए आई टूल मॉडल का विचार प्रस्तुत किया, जो कि स्कैन्ड इमेज पर आधारित है। यह एप खेतों से ली गई फूल और कीटों की तस्वीरों के माध्यम से दोनों की पहचान करेगा और यह बताएगा कि कौन से कीट किस प्रकार के फूलों के लिए सर्वोत्तम परागणकर्ता हैं। उनका यह विचार ÷भूले हुए नायक शुष्कभूमि में कीट जैव विविधता और परागण नेटवर्क÷ विषय पर आधारित था, जिसके लिए उन्हें तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अर्पिता मिश्रा, जयराज रजक और सुचिता तिवारी ने ÷ईको-सारथी÷ नामक एक एप का आइडिया प्रस्तुत किया, जिसमें कंजर्वेशन एक्टिविटी, फुटप्रिंट कैलकुलेटर जैसे कई उपयोगी फीचर्स शामिल हैं। इस एप का उद्देश्य अर्ध-शुष्क क्षेत्रों की जैव विविधता के संरक्षण में सहायता करना और लोगों को जागरूक बनाना है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने ग्राउंड लेवल पर गहन शोध किया है। शोधार्थी अंजली एवं शिवानी ने शहडोल जिले की पक्षी विविधता और संजय डुबरी वन्यजीव अभयारण्य पर आधारित प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की महत्ता और संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मानसी सैनी, रिया सिंह परिहार एवम् एकता मौर्य ने भी जलवायु संरक्षण के लिए ए आई टूल का इस्तेमाल करना बताया। इस आयोजन ने न केवल छात्रों की वैज्ञानिक सोच और नवाचार क्षमता को उजागर किया, बल्कि जैव विविधता संरक्षण की दिशा में युवाओं की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया। इस हैकथन में देश भर से शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, कार्यक्रम में नितिन जोशी डॉ मुकेश राय, अंकित राय संगठन मंत्री विज्ञान भारती, डॉ पी एस भटनागर वैज्ञानिक ई वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

आतंकवाद केवल भारत की समस्या नहीं

तीन बड़े हमलों का मुख्य साजिशकर्ता लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी रजाउल्ला निजामनी खालिद उर्फ अबू सैफुल्ला की पाकिस्तान के सिंध प्रांत में गोली मार कर हत्या कर दी गई। पाक सरकार ने उसे सुरक्षा मुहैया की थी। वह नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय, सीआरपीएफ कैंप व भारतीय विज्ञान संस्थान पर हमलों का मुख्य साजिशकर्ता था। सिंध के मतली में उसके घर के करीब के चौराहे पर अज्ञात बंदूकधारियों ने उसे गोलियां मार दीं, जिसे आपसी रंजिश का मामला बताया जा रहा है। वह लश्कर के अबू अनस तथा चीमा का करीबी सहयोगी बाताया जाता है। अनस अब भी फरार है। 2008 में उप्र के रामपुर में जन्मा खालिद रामपुर के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल शिविर पर हमले का मास्टरमाइंड था, जिसमें सात जवानों व एक नागरिक की मौत हुई थी। 2005 में बंगलुरु के भारतीय विज्ञान संस्थान में हुए हमले में एक प्रोफेसर समेत चार अन्य लोगों की भी हत्या हुई थी। इन हमलों की साजिश और इन मासूम लोगों की हत्या के मॉड्यूल का पर्दाफाश होने के बाद खालिद नेपाल से पाकिस्तान भाग गया। जहां वह लश्कर-ए-तैयबा व जमात-उल-दावा जैसे आतंकी संगठनों के लिए धन जुटाने और नये आतंकियों की भर्ती करने का काम कर रहा था। लश्कर-ए-तैयबा दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा इस्लामी आतंकवादी संगठन माना जाता है। बीते पांच सालों में आपसी झगड़ों में एक-के बाद एक कई आतंकी लगभग एक से तरीके से मारे गए। भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा इनमें से कई वांछित भी बताए जाते हैं। हालांकि विचारणीय तथ्य तो यह भी है कि इसी दरम्यान ट्रंप प्रशासन द्वारा नियुक्त दो व्यक्तियों पर लश्कर से संबंध रहने के आरोप भी लग रहा हैं। जिस पर भारत सरकार समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने खासी चिंता व्यक्त की है। आतंकवाद केवल भारत की समस्या नहीं है। आतंकवादी एक-दूसरे की जान लें या उन्हें मुठभेड़ में मार गिराया जाए; शांति की चाहना रखने वालों के लिए सुकून की बात है। मगर जिस तरह से भेड़ के खाल ओढ़े भेड़िए झुंडों में शामिल हैं, उनसे मुक्ति पाना दुरूह होता जा रहा है। आतंकवादियों की धर-पकड़ के साथ ही, उनके द्वारा करायी जाने वाली घुसपैठ पर लगाम लगाना भी निहायत जरूरी है। साथ ही आतंकियों के बरगलाने में आने वाले नौजवानों को जागरूक करने के तरीके भी इजाद करने की जरूरत महसूस नही होगी।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चो की अधिकता रहेगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा।

सिंह राशि : आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम अच्छा चलेगा।

प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय हो, लापरवाही पर कड़ी सजा

लोकतंत्र की सफलता की नींव एक सशक्त, जवाबदेह और संवेदनशील शासन एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर टिकी होती है। हाल के वर्षों में न्यायालयों के आदेशों की लगातार अनदेखी की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मनमाने निर्णय लेकर कार्यवाही की जा रही हैं। जिसके कारण यह सवाल खड़ा हो रहा है, क्या हमारे प्रशासनिक अधिकारी कानून और न्यायिक संस्थाओं के पारित आदेशों का सम्मान कर रहे हैं? राजस्थान उच्च न्यायालय की हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान राज्य में न्यायालय के 7,148 आदेशों की अनदेखी करते हुए पालन नहीं किया गया है। जो यह दर्शाता है, प्रशासनिक एवं न्यायिक तंत्र में यह समस्या कितनी गंभीर हो गई है। न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करने पर यह स्थिति केवल अवमानना का मसला नहीं माना जाना चाहिए। बल्कि शासन एवं प्रशासन तंत्र की मानसिकता न्याय तंत्र को लेकर कैसी है। यह इस रिपोर्ट से उजागर होती है। पिछले कुछ वर्षों से भारत में जिस तरह की माब लीचिंग, बुलडोजर न्याय, शासन एवं प्रशासन के दबाव में पुलिस द्वारा काल्पिनिक अपराध कायम कर नागरिकों को प्रमाणित किया जा रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है। समय-समय पर हाईकोर्ट एवं सुप्रीमकोर्ट ने जाँच एजेंसियों, पुलिस और सक्षम प्रशासनिक अधिकारियों के लिये निर्देश जारी किये। किन्तु उनका पालन करने के स्थान पर सत्तापक्ष के राजनेताओं के दबाव में जिस तरह से असंवैधानिक एवं कानूनों की अनदेखी हो रही है। उससे न्यायपालिका की साख में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। यदि उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने में सरकार या प्रशासनिक अधिकारी आनाकानी करें। यह न केवल लोकतंत्र के लिए संकट की स्थिति है, बल्कि नागरिकों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों का भी खुला हनन है। विभागीय प्रमोशन, सेवा विस्तार या स्थानांतरण जैसे मुद्दों पर न्यायालयों के निर्देशों और आदेशों का पालन नहीं किया जाता है। यह सिलसिला वर्षों तक खिंचता है। प्रशासकीय अधिकारियों और शासन द्वारा लगातार अपील पर अपील की जाती हैं अंतिम निर्णय आ जाने के बाद भी उसका पालन नहीं किया जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति नागरिक अधिकारों के मामलों में देखने को मिलती है। जहां प्रशासन नियम और कानून के विपरीत कार्यवाही करते है। न्यायालय से अंतिम फैसला भी हो जाता है। उसे सरकार के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लागू नहीं किया जाता है। जब तक सरकार और प्रशासन के उच्च पदों पर बैठे अधिकारी, न्यायिक आदेशों को लेकर जिम्मेदार नहीं ठहराए जाएंगे। जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध जब तक कड़ी कार्रवाई नहीं होगी। तब तक प्रशासन और न्यायपालिका की व्यवस्था नहीं सुधर सकती है। लोकतंत्र में हर किसी की जवाबदेही तय है। जब तक इस जवाब देही का सख्ती से पालन नहीं किया जाएगा। सिर्फ चेतावनी या स्थानांतरण प्रशासकीय व्यवस्था को सुधारने के लिए काफी नहीं है। न्यायपालिका को गैर जिम्मेदार और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई, आर्थिक दंड और कठोर सजा देने की आवश्यकता है।

समय से कभी विलम्ब ना चले

- संजय गोस्वामी

हमेशा समय के साथ चले,समय से कभी विलम्ब ना चले ऐ सवाल का जबाब रामायण में किस्किंधा कांड में पढ़ने क़ो मिलता है जब माता सीता की खोज में सुग्रीव क़ो चेताया था लोगों से सुनने क़ो मिलता है कि भगवान श्री राम ने वालि क़ो धोखे से मारा ऐ गलत है प्रभु ने वालि क़ो मोक्ष दिया धोखा से नहीं मारा था भगवान श्री राम के पिता राजा दशरथ , बड़ी मुश्किल कैकई के वचन क़ो पूर्ण करने के लिए भगवान राम क़ो 14वर्ष के वनवास के लिए आदेश दे पाए होंगे। राजा, उनकी आँखें आँसुओं से भरी हुई थीं, उनका गला भावनाओं से भर गया था, वे केवल ये शब्द बोल पाए- राम और कुछ नहीं वास्तव में, राम ने बिना किसी सवाल के आदेश स्वीकार कर लिया। मैं पिता की आज्ञा का पालन करने में प्रसन्न हूँ, उन्होंने कैकेई से कहा- क्यों, अगर आप आदेश दें तो भी मैं जाऊँगा। इस प्रकार, बिना किसी विरोध के, राम दयालुता और सद्भावना के एक बड़े इशारे में अपने 14 साल के वनवास की यात्रा पर निकल पड़ते हैं।वह कैकेई से वास्तव में अनुरोध करते हैं कि वह राई का पहाड़ न बनाए। उन्होंने उसे सांत्वना भी दी और अनुरोध किया कि उसे इतनी छोटी सी बात पर बिल्कुल भी चिंता नहीं करनी चाहिए। राम को, 14 साल जंगल में बिताना बहुत छोटी सी बात लगती थी। राम के सबसे वफादार छोटे भाई लक्ष्मण ने अब राम के साथ मिलकर राम के साथ किए गए अनुचित व्यवहार का शाही जवाब देने का फैसला किया। राम ने लक्ष्मण को समझाने की पूरी कोशिश की कि उन्हें परिवार की देखभाल करने के लिए वापस लौटना चाहिए और राज्य पर शासन करने में भरत की मदद भी करनी चाहिए। हालाँकि, लक्ष्मण ने उनकी बात नहीं मानी। हालाँकि लक्ष्मण राम के भाग्य या नियति

के दर्शन से सहमत नहीं थे, लेकिन वे अपने बड़े भाई के बिना भी नहीं रह सकते थे। इस तरह यह बात सामने आई कि राम के पास अपने छोटे भाई को वनवास में अपने साथ ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। राम के लिए मामले को और भी बदतर बनाने के लिए, उनकी युवा पत्नी सीता ने भी राम के साथ जाने का फैसला किया। सीता को समझाने के राम के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद कि उनके लिए जंगल में रहना बहुत कठिन होगा, सीता ने जोर देकर कहा कि वह अपने पति के साथ जाएँ। जैसे पदार्थ के लिए छाया होती है, वैसे ही पति के लिए पत्नी होती है, उसने राम को याद दिलाया क्या पत्नी का धर्म अपने पति के साथ रहना नहीं है? मुझे तुम्हारे आगे चलने दो ताकि मैं तुम्हारे पैरों के लिए रास्ता सुगम बना सकूँ। इस प्रकार राम को सीता को अपने साथ वन में ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। फिर राम, सीता, लक्ष्मण राजा के चरणों में झुके, और दुखी होकर चले गए उस समय राम के लिपकारी होने के नाते, राम ने शाही जीवन, अपने राज्य के सिंहासन का त्याग कर दिया, वनवास जाने का फैसला किया।राम ने जंगल में रहने वाले चौदह हज़ार राक्षसों का वध किया ।यह देखते हुए, सीता ने राम को उनकी हिंसा के खिलाफ़ चेतावनी दी थी जब वे राक्षसों का विनाश करके ऋषियों (या संतों) की मदद करने के लिए सहमत हुए ।दुर्घटनाएँ तब भी होती हैं जब कोई उनसे बचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है। आइए हम इसे राम के दृष्टिकोण से देखें। राम, एक पूर्णतावादी होने के नाते, अपनी पत्नी की छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरा करके एक आदर्श पति बनने की पूरी कोशिश की - खासकर ऐसी वफादार पत्नी की जो महल-जीवन के सभी सुखों का त्याग करके 14 साल तक जंगल में रहने के लिए उनके साथ चली गई थी। इसके अलावा, भाई लक्ष्मण के उनकी छोटी सी झोपड़ी में रहने के कारण, राम अच्छी तरह से जानते थे कि सीता सुरक्षित हाथों में है। फिर भी, रावण ने अपने धूर्तता का इस्तेमाल करके राम और लक्ष्मण को मायावी शक्ति का प्रयोग कर माया के वजह से सीता का अपहरण कर लिया है और राम बहुत दुखी हुए लक्ष्मण अब राम को सांत्वना देते हैं- दुर्भाग्य आते हैं और ज्वाला की तरह इसमें हिम्मत से काम लेना चाहिए,लक्ष्मण की सलाह के बावजूद, राम अभी भी दुखी हैं। सुग्रीव के साथ द्विपक्षीय समझौता और बाली का पतन सीता के नुकसान को सहन करने में असमर्थ, राम और लक्ष्मण ने सीता की खोज में एक लंबी यात्रा शुरू की। वे जंगल में घूमे और सीता या उसके अपहरणकर्ता द्वारा रास्ते में छोड़े गए किसी भी संकेत की तलाश की। यह वास्तव में एक चतुर सोच थी सीता का वह हिस्सा जिसने रावण के भागने के दौरान अपना हार, कंगन और अंगूठी धरती पर गिरा दी थी। पहाड़ी पर चढ़ने-उतरने, नदियों और मैदानों को पार करने के बाद, उन्हें सीता के छोटे-छोटे शरीर के आभूषण मिले। बड़े उत्साह के साथ, राम अब अपने भाई से कहते हैं- हे लक्ष्मण, यहाँ, वह चिल्लाया, देखो मेरी सीता के सोने के झुमके गिर गए हैं। यहाँ उसकी फटी हुई और फटी हुई मालाएँ हैं, यहाँ हर चमकता हुआ आभूषण पड़ा है। हे देखो, हर तरफ सोने के आभूषण व साथ में खून से जमीन भी रंगी हुई है । वे जो खून की बूँदें देखते हैं, वह जटायु नामक एक खून बहते हुए पक्षी की है। इस महान पक्षी ने सीता के अपहरणकर्ता रावण के साथ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी, लेकिन व्यर्थ तो नहीं गया क्योंकि जटायू ने मरते मरते भगवान राम क़ो सीता माता क़ो रावण द्वारा हर कर ले जाने की खबर बता कर प्रभु की गोद में प्राण त्याग दिए । अपने मरने के क्षणों में, उसने राम को यह बताने की कोशिश की, संभवत: अपनी सांकेतिक भाषा का उपयोग करके, कि उसने संकट में किसी युवती को जोर से और बार-बार चिल्लाते हुए सुना, हे राम, मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। इससे यह भी संकेत मिलता है कि अपहरणकर्ता उड़ने वाली यान जैसी किसी चीज़ का इस्तेमाल किया था और दक्षिण की ओर जा रहा था। तब पक्षी ने अपनी अंतिम साँस ली। उस सुराग के साथ, दोनों भाइयों ने सीता की खोज शुरू की, पहाड़ियों पर चढ़ते-उतरते और नदियाँ पार करते हुए, और भी बहुत कुछ! किस्मत से, राम अब 'किष्किंधा' (अब भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित) नामक एक छोटे से राज्य में पहुँचते हैं। उस छोटे से राज्य पर तब वालि नाम का एक राजा राज करता था। कुछ लोग 'व' को 'ब' में बदल देते हैं और उसे बाली कहते हैं। मैं 'ब' के बजाय संस्कृत शब्द 'वालि' का उपयोग करना पसंद करता हूँ, ताकि कोई बाली को इंडोनेशिया के उस नाम वाले शहर से भ्रमित न हो। ऐसा कहा जाता है कि जब भी कोई वालि से लड़ता था, तो वालि को अपने दुश्मन की आधी ताकत हड़पने की शक्ति प्राप्त हो जाती थी। यह शक्ति वास्तव में उसके नाम 'वालि' के अनुरूप है, जिसका अर्थ है ताकत।

चाचा नेहरू: जिनकी ममता में पलता था भारत का भविष्य

- योगेश कुमार गोयल

स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू भारतीय राजनीति के एक ऐसे चमकते सितारे थे, जिनका समर्पण न केवल देश के प्रति था बल्कि बच्चों के प्रति भी अपार स्नेह और दुलार से भरा हुआ था। वे बच्चों को देश का भविष्य मानते थे और इसी कारण उन्हें भरपूर प्रेम देते थे। बच्चे भी उन्हें 'चाचा नेहरू' कहकर पुकारते और उनसे आत्मीयता से लिपट जाते थे। उनका व्यवहार बच्चों के साथ इस कदर सरल, आत्मीय और हृदयस्पर्शी होता था कि वे अपने ऊंचे पद की परवाह किए बिना बच्चों के बीच उतर जाते, उन्हें गोद में उठा लेते और उनकी मासूम हंसी में अपनी दुनिया बसाते थे। नेहरू जी बच्चों के बीच त्योहारों का आनंद लेते थे। होली पर वे रंगों में भीगकर बच्चों के संग हंसी-मजाक करते, दीवाली पर बच्चों संग आतिशबाजी का लुत्फ उठाते और मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने में उन्हें बच्चा बनने में तनिक भी संकोच नहीं होता। बच्चों की मुस्कान उन्हें आत्मिक सुकून देती थी, वहीं किसी बच्चे की पीड़ा उन्हें भीतर तक झकझोर देती थी। देश-विदेश के बच्चों से वे स्नेहपूर्वक मिलते और उनके साथ तरह-तरह के खेल खेलते। उनके पास देश के कोने-कोने से बच्चों के खत आते और नेहरू जी बड़े प्रेम से उन्हें उत्तर देते। वे बच्चों को लिखते थे, 'बच्चों, परिश्रम से बढ़कर दुनिया में कोई चीज नहीं। तुम जितनी मेहनत करोगे, उतनी सफलता मिलेगी और तुम्हारा जीवन खुशियों से भर जाएगा।'

नेहरू जी की दृष्टि में बच्चे केवल मासूम चेहरे नहीं थे बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव थे। वे अक्सर कहा करते थे कि बच्चे नाजुक मन के होते हैं, इसीलिए हर छोटी-बड़ी बात उनके मानस पर गहरी छाप छोड़ती है। उनका मानना था कि बच्चे बीज के समान हैं और उन्हें जैसे संस्कार, पोषण और शिक्षा दी जाती है, उसी आधार पर उनका विकास तय होता है। वे यह भी कहते थे कि बच्चों को अच्छी शिक्षा, पोषण और संस्कृति मिले, यही देश के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज के बच्चे ही कल के नागरिक हैं और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन, देखभाल और अवसर मिलें तो वे देश को नई ऊंचाईयों तक ले जा सकते हैं। एक बार की बात है, जब नेहरू जी दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन के बगीचे में टहल रहे थे। उन्हें पास के पेड़ के नीचे एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। उन्होंने देखा कि बच्चा अकेला बैठा है और उसकी मां आस-पास नहीं दिख रही थी। जब बच्चा जोर-जोर से रोने लगा तो नेहरू जी तुरंत उसके पास पहुंचे और उसे गोद में उठा लिया। आश्चर्य की बात यह थी कि बच्चा चुप हो गया। कुछ देर बाद जब उसकी मां आई और उसने अपने बच्चे को देश के प्रधानमंत्री की गोद में देखा तो वह हर्ष और आश्चर्य से भर उठी। यह केवल एक उदाहरण है कि नेहरू जी के हृदय में बच्चों के लिए कितना गहरा प्रेम और करुणा थी। पं. नेहरू का विनोदी स्वभाव भी बच्चों के साथ और अधिक आत्मीय संबंध स्थापित करता था। एक बार एक बच्चा उनसे ऑटोग्राफ लेने आया। नेहरू जी ने हस्ताक्षर कर दिए लेकिन बच्चे ने भोलेपन से कहा, 'आपने तारीख तो लिखी ही नहीं।' नेहरू जी मुस्कराए और नीचे तारीख लिख दी। बच्चा थोड़ा गंभीर होकर बोला, 'आपने साइन तो अंग्रेजी में किए हैं लेकिन तारीख उर्दू में लिख दी।' इस पर नेहरू जी ने हंसते हुए जवाब दिया, 'बेटा! तुमने साइन करने को कहा तो मैंने अंग्रेजी में साइन कर दिए, फिर जब तुमने तारीख लिखने को कहा तो मैंने उर्दू में तारीख डाल दी।' यह सुनकर वहां खड़े सभी बच्चे ठहाका लगाकर हंस पड़े। नेहरू जी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तो उनकी प्राथमिकताओं में बच्चों की शिक्षा सर्वोपरि रही। वे मानते थे कि यदि देश का भविष्य उज्ज्वल बनाना है तो बच्चों को अच्छी शिक्षा और अवसर प्रदान करना अनिवार्य है। उनके नेतृत्व में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थानों की नींव रखी गई, जिनकी प्रतिष्ठा आज वैश्विक स्तर पर है। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा को निशुल्क और अनिवार्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। स्कूलों में बच्चों के लिए पोषण युक्त मध्यान्ह भोजन की योजना उनकी दृष्टि का हिस्सा थी ताकि कोई भी बच्चा भूख के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। नेहरू जी का यह विश्वास था कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, जीवनमूल्य, रचनात्मकता और संस्कार भी दिए जाने चाहिएं। इसी सोच के चलते उन्होंने 1955 में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी इंडिया की स्थापना की, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी फिल्मों का निर्माण करना था, जिससे उनमें नैतिकता, संवेदना और रचनात्मकता का विकास हो।

राष्ट्र की बात आती है तब दल नहीं योग्यता प्रमुख

डॉ. घनश्याम बादल

परमाणु बम की धमकी एवं गीदड़ भभकी देने वाले पाकिस्तान की हालत चार दिन की जंग के बाद ही खस्ता हो गई और जब भारत ने उसके तेरह में से ग्यारह एयरबेस क्षतिग्रस्त कर दिए और कम से कम छह पूरी तरह तबाह कर दिए व उसकी मिसाइलें एवं लड़ाकू विमान मार गिराए तथा ब्रह्मोस का प्रयोग करते हुए (यदि मीडिया की रिपोर्ट को सच मानें तो) उसे परमाणु बम के उपयोग करने की संभावना से भी वंचित कर दिया तब आनन फानन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट करके दुनिया को इस संघर्ष विराम या सीजफायर की जानकारी दी तो एक तरह से दक्षिण एशिया एवं दुनिया ने राहत की सांस ली। वहीं यदि ट्रंप के वक्तव्य को मानें तो लाखों लोग मरने से बचे। लेकिन यहीं से देश में राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई। विपक्ष ने मुखर होकर पूछा कि ऐसे क्या कारण थे जिनकी वजह से अचानक ही संघर्ष विराम की घोषणा करनी पड़ी और विभिन्न कोणों से सरकार पर जब हमले हुए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मई को देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है। अभी तो उसे केवल स्थगित किया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में पाकिस्तान एवं आतंकवादियों सहित दूसरे देशों को भी चेतावनी दे दी कि भारत के आंतरिक मामलों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप सहन नहीं किया जाएगा तथा आतंक की किसी भी घटना को 'एक्ट ऑफ वॉर' समझा जाएगा जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भले ही सरकार एवं विभिन्न रक्षा विशेषज्ञों की दृष्टि में भारत का पलड़ा इस संघर्ष में भारी रहा तथा पाकिस्तान को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा लेकिन दुनिया में अपना पक्ष रखना भी बहुत जरूरी था। इसलिए भारत सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया जिनका नेतृत्व जाने-माने नेताओं को सौंपा गया। 59 सदस्यों वाले इन साथ प्रतिनिधिमंडलों में लगभग सभी प्रमुख दलों के सदस्यों को शामिल किया गया लेकिन विवाद तब उठ खड़ा हुआ जब कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी के नेता शशि थरूर को अमेरिका जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेता चुने जाने के बावजूद इस पर आपत्ति दर्ज कराई। कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि जिन चार नेताओं के नाम कांग्रेस ने दिए थे उनमें से केवल आनंद शर्मा को ही प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है, और सरकार में अपनी मर्जी से ही शशि थरूर एवं सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं को कांग्रेस का प्रतिनिधि बना कर भेजने का निर्णय लिया जो उसके लिए आपत्तिजनक है। एक तरह से देखें तो कांग्रेस का पक्ष अनुचित नहीं है क्योंकि हर दल को अपने उपयुक्त नेता को ऐसे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कराने का अधिकार है, लेकिन सरकार का कहना है कि उसने ऐसी कोई सूची मांगी ही नहीं थी तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जिन नेताओं को उसने योग्य पाया उनका चयन इन प्रतिनिधिमंडलों में किया गया है। इस दृष्टि से सरकार का पक्ष भी सही है क्योंकि जब राष्ट्र की बात आती है तब दल नहीं योग्यता प्रमुख हो जाती है। इसका उदाहरण स्वयं कांग्रेस की नरसिंह राव के नेतृत्व वाली सरकार ने उस समय दिया था जब 1994 में संयुक्त राष्ट्र में भारत का पक्ष रखने के लिए उसने अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल भेजा था तो कह सकते हैं कि ऐसी परंपरा की शुरु आत स्वयं कांग्रेस ने की थी। वैसे ऐसा भी नहीं है कि पहली बार किसी सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश में भेजे हैं। इससे पूर्व भी ऐसे प्रतिनिधिमंडल भेजे जाते रहे हैं। 2008, 1971 एवं 1965 में भी सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजा गया था। जिस तरह भारत के सभी राजनीतिक दलों ने एकजुट होकर पाकिस्तान की तरफ से खड़े किए गए संकट में साथ दिया वह प्रशंसनीय कदम था लेकिन संघर्ष विराम के बाद से ही जिस तरह की राजनीति की जा रही है, उससे इस बात का भी अंदेशा है कि सेना द्वारा लगभग जीती गई जंग की महत्ता को राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता कहीं महत्त्वहीन न कर दे। इसलिए सभी राजनीतिक दलों, चाहे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के हों, को ध्यान देना होगा कि ऐसा परिदृश्य न प्रस्तुत करें कि दुनिया भर में भारत की जगहंसाई हो। खैर, एक बार फिर से लौट कर चिंतन करते हैं कि इन प्रतिनिधिमंडलों के गठन का लक्ष्य क्या है तथा ये भारत के किस-किस पक्ष को दुनिया के सामने रखेंगे और पाकिस्तान के किन षड्यंत्रों एवं आतंकवादी मानसिकता को बेनकाब करेंगे।

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

- ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक

हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामूक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषत: किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई।

गोल्ड वी ट्रस्ट रिपोर्ट 2025 में दावा किया

क्या 2030 तक 7.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है सोना?

» सोनी की कीमत 4800 से 8900 डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सोना 100 रुपये की तेजी के साथ 98,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। सोने की कीमतों में लगातार उछाल दिखा है। इसी बीच, ऐसी भविष्यवाणी की गई है कि अगले पांच वर्षों में सोने की कीमत 8,900 डॉलर यानी 7,55,600 रुपये तक पहुंच सकती है। लिकटेंस्टीन स्थित निवेश और परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म इंक्रीमेंटम की गोल्ड वी ट्रस्ट रिपोर्ट 2025 में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट के अनुसार सोना लंबे समय के लिए तेजी के दौर में बना हुआ है। मध्यम अवधि में सोने की कीमत 4000 से 5000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है। वर्ष 2030 तक इसकी कीमत 8900 अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि महंगाई के दौर में पीली धातु इस अवधि में कीमत में 8,900 अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की क्षमता रखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि 4,800 से 8,900 डॉलर का पूर्वानुमान इस बात पर निर्भर करता है कि अगले पांच साल में महंगाई का कैसा रुख रहेगा। मौद्रिक नीति और भू-राजनीतिक गतिशीलता भी सोने की कीमतों पर प्रभाव डाल सकते हैं।

निवेशकों को ध्यान देने की जरूरत है- रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि सोने की कीमतों में तेजी थोड़े समय की बात नहीं है। यह लंबे समय तक चलने वाला रुझान हो सकता है। इसलिए निवेशकों को इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। दूसरी ओर, रिपोर्ट में निवेशकों को यह भी सावधानी बरतने के लिए कहा गया है कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव की स्थिति आ सकती है। सोने एक ऐसा निवेश है, जिसमें अकसर तेजी से बदलाव देखा जाता हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि वैश्विक बाजार और पारिवारिक कार्यालय अपने पोर्टफोलियो में सोने और कीमती धातुओं को बहुत कम अहमियत देते हैं। वे अपनी पूंजी का केवल 1 प्रतिशत ही इसमें निवेश करते हैं। इसकी तुलना में वे प्राइवेट इक्विटी, रियल एस्टेट (जमीन-जायदाद) और यहां तक कि नकद को भी ज्यादा पसंद किया जाता है।

सोने को लेकर की गई अलग-अलग भविष्यवाणी - हाल ही में, गल्फ न्यूज ने भी सोने की कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के चलते निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मान रहे हैं। इसके अलावा जेपी मॉर्गन ने भी हाल ही में भविष्यवाणी की है कि सोने की कीमतें 2029 तक 6,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच जाएंगी। इससे कीमतों में 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होगी, जिससे पीली धातु को मजबूती मिलेगी। इस साल जनवरी से अप्रैल के महीने में सोने की कीमतों में तेजी से उछाल देखने को मिला। इस दौरान सोने की कीमतों में 25 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, वैश्विक व्यापारिक तनाव के बीच अप्रैल के बाद से सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 455 अंक, निफ्टी 148 अंक ऊपर आया

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455 अंक बढ़कर 82,176.45 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई एनएसई निफ्टी 0.60 फीसदी 148 अंक ऊपर आकर 25,001.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन, आईटी और धातु शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एलएंडटी नेस्ले इंडिया, एचसीएलटेक और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक उछले जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और इटरनल (जोमैटो) के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी ऑटो सूचकांक (1.08 फीसदी), निफ्टी आईटी सूचकांक (1.01 फीसदी) और निफ्टी मेटल सूचकांक (0.92 फीसदी) उछले। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में भी 0.63 फीसदी और 0.36 फीसदी की तेजी रही। अमेरिका के यूरोपीय यूनियन से आयात पर लगाए जाने वाले 50 फीसदी टैरिफ को टालने और व्यापार वार्ता की समयसीमा बढ़ाने से भी बैंकिंग और ऑटो शेयरों में उछाल आया जिसका सकारात्मक प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा। वहीं आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बाजार तेजी के साथ खुला। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी से बाजार को बल मिला। सुबह सेंसेक्स आज 200 से ज्यादा अंक चढ़ाकर 81,928.95 पर खुला। खुलते ही यह 500 से ज्यादा अंक चढ़ गया। सुबह शुरुआत के बाद यह 618.15 अंक की बढ़त लेकर 82,339.23 पर था। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,919.35 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 164.20 अंक की बढ़त के साथ 25,017.35 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी फार्मा, मेटल और ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिल रही। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.7 फीसद ऊपर था। जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स 0.53 फीसदी बढ़ा। शुरुआती कारोबार में कोस्पी 0.7 फीसद चढ़ा, जबकि एएसएक्स 200 सपाट कारोबार कर रहा था। एशिया के शुरुआती कारोबारी घंटों के दौरान अमेरिकी शेयर वायदा में तेजी आई। मेमोरियल डे के कारण सोमवार को अमेरिकी बाजार बंद रहे।

वोल्वो कार्स लागत घटाने के लिए

3000 नौकरियों में करेगी कटौती

» सीईओ बोले- फैसला कठिन, पर महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। स्वीडन स्थित वोल्वो कार्स लागत में कटौती कार्यक्रम के तहत 3,000 पदों को समाप्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने मोटर वाहन उद्योग में व्यापारिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता से चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि लगभग 1,200 नौकरियों में कटौती स्वीडन के कर्मचारियों की होगी। वहीं, वर्तमान में परामर्शदाताओं की आरे से भरे गए 1,000 अन्य पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इनमें से अधिकतर छंटनी स्वीडन में होगी।

सीईओ बोले- हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स बना रहे- बाकी नौकरियां अन्य वैश्विक बाजारों में खत्म होंगी। जिन नौकरियों में कटौती की जा रही है, उनमें से अधिकांश दफ्तरों वाले पद हैं। वोल्वो कार्स के अध्यक्ष और सीईओ हाकन सैमुएलसन ने कहा, आज घोषित किए गए निर्णय कठिन हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण कदम हैं क्योंकि हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑटोमोटिव उद्योग एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए, हमें अपने नकदी प्रवाह को बेहतर बनाना होगा और संरचनात्मक रूप से अपनी लागत कम करनी होगी। चीन के फर्म गीली के स्वामित्व वाली इस कंपनी में 42,600 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं।

हाल के वर्षों में बढ़ी है कार निर्माता कंपनियों की चुनौतियां- हाल के वर्षों में दुनियाभर के कार निर्माता कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में कच्चे माल की बढ़ती लागत, यूरोपीय कार बाजार में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित कारों और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शामिल है। वोल्वो कार्स का मुख्यालय और उत्पाद विकास कार्यालय गोथेनबर्ग, स्वीडन में है, और यह बेल्जियम, दक्षिण कैरोलिना और चीन में कारें और एसयूवी बनाती है।

जुलाई तक होनी है दोनों देशों में डील

व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का दल आ सकता है भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते पर अगले दौर की चर्चा के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल आने वाले हफ्तों में भारत का दौरा कर सकता है। एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी सामने आई है।

अमेरिकी अधिकारियों की यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और अमेरिका 9 जुलाई से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बना सकते हैं। इस बातचीत में नई दिल्ली घरेलू वस्तुओं पर 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ से पूर्ण छूट की मांग कर रहा है। एक सूत्र ने बताया, व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी टीम के भारत आने की उम्मीद है। वार्ता तेज गति से आगे बढ़ रही है। भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह अपनी चार दिवसीय वाशिंगटन यात्रा पूरी की। उन्होंने प्रस्तावित समझौते पर अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी व्यापार वार्ता को गति देने के लिए पिछले सप्ताह वाशिंगटन में थे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से दो बार मुलाकात की।

अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त पारस्परिक शुल्क लगाया था, लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए 9 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया। हालांकि, भारतीय वस्तुओं पर अभी भी अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत बेसलाइन शुल्क लागू है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.13 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा के कमजोर रुख और सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों की वजह से रुपया शुरुआती कारोबार में 40 पैसे मजबूत होकर 85.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा से भी स्थानीय मुद्रा को बल मिला।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.02 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 84.98 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इसके बाद यह 85.05 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 40 पैसे की तेज बढ़त दिखात है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.45 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ 98.67 पर रहा।

भारत की डिफेंस कंपनी को इजराइल से मिला 17.52 मिलियन डॉलर का ऑर्डर

भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी, देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। भारत की देशी कंपनियों ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई है। इस ऑपरेशन के बाद भारतीय हथियारों की मान्यता ने दुनिया में चर्चे बना दिए हैं। इस उत्कृष्ट अदम्य तकनीक का उद्यम एक और उच्चाधिकारी के साथ साबित हुआ है, जब इजराइल की एक कंपनी ने भारतीय कंपनी नाइब लिमिटेड के साथ एक 17.52 मिलियन डॉलर (करीब 150 करोड़ रुपये) का ऑर्डर किया है। यहां इस ऑर्डर के माध्यम से भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी और देश को विश्वभर में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। इजराइल की यह कंपनी टेक्नोलॉजी के मामले में बहुत आगे है। इस ऑर्डर में यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर बनाने और सप्लाई करने हैं। ये लॉन्चर 300 किलोमीटर तक मार कर सकते हैं। यह बहुत ही आधुनिक तकनीक है। भारत में पहली बार ऐसा हो रहा है कि यह तकनीक विदेश के लिए बनाई जा रही है। कंपनी का कहना है कि इस कॉन्ट्रैक्ट से आत्मनिर्भर भारत के सपने को और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

अब जंग का नया मैदान बना नियर स्पेस यानी धरती से 20 से 100 किमी का इलाका

» नियर स्पेस का इस्तेमाल केवल निगरानी तक सीमित नहीं

नई दिल्ली। अब जंग का एक नया मैदान तैयार हो चुका है 'नियर स्पेस'ज यानी धरती से 20 से 100 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच का इलाका। भारतीय वायुसेना ने इस रणनीतिक क्षेत्र को अब अपने नियंत्रण में लेना शुरू कर दिया है। नतीजा दुश्मन चाहे चीन हो या पाकिस्तान, अब उसे सिर्फ सीमा पर नहीं, आसमान से भी चौकस निगाहों का सामना करना पड़ेगा और वो भी एक ऐसे क्षेत्र से जो अब तक 'अनदेखा' और 'अछूता' था। यह इलाका न तो पूरी तरह वायुमंडल का हिस्सा है और न ही अंतरिक्ष की सैटेलाइट कक्षा में आता है। लेकिन यहीं से अब निगरानी, संचार और मिसाइल चेतावनी जैसे अहम काम होने जा रहे हैं।

पारंपरिक विमानों से ऊपर और सैटेलाइट्स से नीचे रहने वाले हाइ-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म्स जैसे हैप्स (हाई-एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स) और स्ट्रेटोस्फेरिक बैलून्स अब इस क्षेत्र को भारतीय सुरक्षा की नई 'चौकी' में तब्दील कर रहे हैं। नियर स्पेस का इस्तेमाल केवल निगरानी तक सीमित नहीं है। युद्ध के समय सैटेलाइट या साइबर अटैक से अगर संचार बाधित होता है, तो यही हाइ-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म सेना के तीनों अंगों को जोड़ने वाले 'संचार पुल' का काम करेंगे। इसके अलावा, जब बैलिस्टिक मिसाइलें अपने मिड-कोर्स फेज में होती हैं, तो यही 'नियर स्पेस' उन्हें ट्रैक करने का सबसे उपयुक्त स्थान बन जाता है। डीआरडीओ और वायुसेना मिलकर ऐसे एडवांस सेंसर बना रही हैं जो तुरंत खतरे का पता लगाकर जवाबी कार्रवाई संभव बना सकें। भारत अब हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी पर तेजी से काम कर रहा है। ये ऐसी मिसाइलें होती हैं, जो मैक-5 से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। ये हथियार 'नियर स्पेस' में ही ऑपरेट करते हैं और दुश्मन की पारंपरिक सुरक्षा प्रणालियों को पार कर सकते हैं। भारतीय वायुसेना अब इसरो, डीआरडीओ के साथ-साथ आईआईटी और निजी कंपनियों के साथ मिलकर सोलर ड्रोन, बैलून, सेंसर और एआई-बेस्ड नैविगेशन सिस्टम विकसित कर रही है। इसके अलावा, अभी तक इस स्पेस के लिए स्पष्ट वैश्विक और राष्ट्रीय नियम नहीं हैं। वायुसेना, थलसेना, नौसेना और अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच तालमेल और स्ह्रक्क (मानक संचालन प्रक्रिया) की ज़रूरत भी बढ़ रही है।

भारतीय फार्मा इंडस्ट्री की पहुंच अमेरिका और यूरोप में

नई दिल्ली। भारतीय फार्मा इंडस्ट्री ने विश्वास जताया है, जब तकनीकी उन्नति और डीलों में जागरूकता के साथ वह अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर के माहौल में भी दिखाई दे रही है। भारतीय दवा कंपनियां दिखा रही हैं तेजी से विकास की राह पर हैं। निवेशकों के संकेतों के अनुसार सुवेन फार्मास्युटिकल्स के एग्जीक्यूटिव ने अप्रैल माह में एक बड़ी डील के लिए विदेशी कंपनी के अधिकारियों से संचार किया था। इसके साथ ही अनेक भारतीय कंपनियां नई तकनीकों को अपना रही हैं, जिससे उन्हें अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में मजबूती मिल सके। इसी बीच अमेरिकी कंपनीयां भारत के सीडीएमओ के प्रति रुचि जता रही हैं जिसका संकेत है विदेशी निवेशकों का भारत की फार्मा इंडस्ट्री में विश्वास। यह कदम भारत को अपनी निर्भरता को घटाने और वैश्विक स्तर पर पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों में कमी के संकेत के बाद एक्सपर्ट्स अमेरिकी दवा कंपनियों के लिए भारत में भी नए हिस्सेदार खोजने का सुझाव दे रहे हैं। यह स्थिति भारतीय सीडीएमओ के लिए नए अवसरों और उन्नति की संकेत भी हो सकती है।

विधुत समस्याओं का नही हो रहा निराकरण

अंधेरगर्दी: गर्मी में रतजगा करने को विवश आम लोग

» मानसून पूर्व सुधार कार्य की खुली पोल » विभागीय अधिकारियों का दावा हवाहवाई

कटनी- मानसून पूर्व मेंटेनेंस के नाम पर शहर के अलावा ग्रामीण अंचलों में अलग-अलग दिन फीडरों के हिसाब से घोषित कटौती के बाद भी बिजली विभाग की अंधेरगर्दी नहीं रुक रही है। गर्मी में पसीने से तरबतर संग मच्छरों का डंक, ऊपर से बिजली की अघोषित कटौती के चलते उपभोक्ताओं को रतजगा करना पड़ रहा है। शहर में तो जनप्रतिनिधियों और उच्चाधिकारियों के ख़ौफ़ के चलते विद्युत फाल्ट की समस्या तो इस बार कम रही। लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में बिजली विभाग की मनमानी इस कदर हावी हुई कि उपभोक्ता बेबस रहे।

शहर के दुबे कॉलोनी में सहित एनकेजे फीडर के दुर्गा चौक सहित अन्य स्थानों में बिजली बंद होने की समस्या से परेशानी हो रही है। नागरिकों ने बताया कि कभी आधे घंटे एक घंटे के लिए बिजली गुल हो जाती है। गांधीगंज में रात भर बिजली ट्रिप करती रही। इससे आम आदमी हलाकान हो गए। सुबह भी नल आने के समय बिजली बंद रहने से जल संकट उत्पन्न हो गया।

एन के जे फीटर का एरिया बड़ा- एनकेजे फीडर बहुत लंबा है। यहां पर ट्रांसफार्मर में आए दिन बढ़ रहे लोड के चलते यह समस्याएं हो रही हैं। पर फिर भी आम लोगों को परेशानी न हो इसका प्रयास जारी एक है। इसी तरह गांधीगंज में लोड की समस्या बनी है। यहां पर ट्रांसफार्मर लगाने के प्रयास हुए तो लोगों ने यह कहते हुए ट्रांसफार्मर नहीं लगने दिए कि उनके घर के सामने ट्रांसफार्मर लगने से समस्या हो सकती है। फिर भी यहां पर वैकल्पिक इंतजाम करते हुए समस्याओं के समाधान गार का प्रयास किया जा रहा है।

शिकायत भी नहीं सुनी जाती- जानकारी के अनुसार एमपीईबी के शिकायत केंद्रों में लगातार शिकायतें बढ़ रही हैं। बारिश पूर्व मेंटनेंस कार्य किए जाने के बाद भी लगातार बिजली की समस्या बढ़ी है। नागरिकों ने बताया कि शिकायत के लिए बनाए गए बिजली विभाग के नंबर नहीं लगते हैं या लगातार व्यस्त जाते हैं। शिकायत अटेंड करने वाले ऑपरेटरों ने बताया कि बिजली जाने पर एक साथ शिकायतें आने पर यह स्थिति बनती है। कोशिश यह की जाती है कि सभी समस्याएं सुनी जाएं।

पोल खड़े हुए तीन माह गुजरे नही किया कनेक्शन- इंदिरा गांधी वार्ड 4 में तीन माह पूर्व ठेकेदार द्वारा विधुत पोल तो खड़े कर दिए गए लेकिन लोगो के घरो में आज तक कनेक्शन नही होने से यहाँ के नागरिक हर रोज झूलती केवल तारो से परेशान हो रहे है। कई बार इस समस्या की ओर नगर निगम सहित विधुत मंडल के अधिकारियों का ध्यानाकर्षण कराया गया लेकिन लेकिन इनकी हठधर्मिता के चलते नागरिकों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

हेल्पलेस हैं हेल्पलाइन नंबर- दो दिन में नहीं सुधार-चावला चकी के पास दो दिन से बिजली सुधार कार्य अधिकारी नहीं कर सके हैं। शुक्रवार दोपहर कमल ने ग्रुप के माध्यम से इसकी शिकायत दर्ज कराई। यह पहला मामला नहीं है, जब अधिकारियों ने इस तरह से लापरवाही बरती हो।

पांच घंटे में ली सुध शास्त्री कॉलोनी चक्की घाट रोड में बीती रात 11 बजे से लेकर सुबह 4 बजे तक अघोषित बिजली कटौती के चलते कुछ उपभोक्ताओं को रतजगा करना पड़ा। शिकवा-शिकायत के बाद सुधार कार्य कराया गया, इसमें भी कुछ उपभोक्ताओं के घरों की बिजली गुल रही। हेल्पलाइन में भी कई बार शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बावजूद सुधार नहीं हुआ। उपभोक्ता को ऑफिस तक जाकर निवेदन करना पड़ा। सुबह 5 बजे बिजली चालू होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

बालाघाट में बिजली ट्रांसफॉर्मर के नीचे लग रही हैं दुकानें

» 10-12 फीट की दूरी का नियम टूट रहा, विभाग की चेतावनी के बाद भी नहीं मान रहे दुकानदार

बालाघाट। बालाघाट में बिजली विभाग के आला अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद ट्रांसफॉर्मर से सटकर दुकानें लग रही हैं। विभाग की बार-बार की चेतावनी का कोई असर नहीं हो रहा है।

शहर के जय स्तंभ चौक, गायत्री मंदिर के सामने, भगवान बिरसा मुंडा चौक, सहकारी बैंक के सामने, एलआईसी चौक, बैहर रोड और गुजरी बाजार में ट्रांसफार्मर से सटी दुकानें चल रही हैं। यहां पानी, चाय, कपड़े और सब्जी की दुकानें लगाई जा रही हैं। गुजरी बाजार चौक में तो सब्जी विक्रेता ट्रांसफार्मर पर ही चादर और तिरपाल बांधकर व्यवसाय कर रहे हैं। गर्मी के मौसम में लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मर से चिंगारी निकलने और जलने की घटनाएं हो रही हैं। पिछले दिनों भटेरा रोड और गोंदिया रोड के ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग की घटनाएं सामने आईं। इसके बावजूद दुकानदार लापरवाह बने हुए हैं। शहर यंत्री अंकित मार्को के अनुसार ट्रांसफार्मर से 10-12 फीट की दूरी तक कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। दुकानदारों को कई बार चेतावनी दी गई है। अगर कोई दुर्घटना होती है तो इसके लिए दुकानदार खुद जिम्मेदार होंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत

106 हितग्राहियों को सौंपी गई पक्के आवासों की चाबियां

खुशियों का आशियाना पाकर खिले हितग्राहियों के चेहरे

नवनिर्मित आवासों का लाटरी पद्धति से हुआ आवंटन

कटनी - प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी शहरी अंतर्गत ए.एच.पी घटक के ई डबल्यू एस आवास आवंटन का आयोजन सोमवार को निगम के मेयर इन काउंसिल कक्ष में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस दौरान करीब 106 पात्र हितग्राहियों को प्रेमनगर खिरहनी में निर्मित कराये गए आवासों का लाटरी पद्धति से आवंटन किया जाकर उन्हें उनके उनके सपनों के आशियाने की चाबी सौंपी गई। इस दौरान नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना अनिल जायसवाल एवं प्रभारी सहायक यंत्री जे.पी.सिंह सहित काफी संख्या में योजना के हितग्राही उपस्थित रहे। नगर निगम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक बॉक्स में 106 हितग्राहियों की पर्चियां डाली गई थी। उन्हें एक-एक कर हितग्राहियों द्वारा स्वयं निकालकर अपनें अपनें स्वये के भवनों का चयन किया। बॉक्स से पर्ची निकालने के पश्चात जैसे ही उन्हें अपने सपनों के आशियाना का नंबर पता चल रहा था वैसे ही पूर्ण कक्ष तालियों की गडगडाहट से संपूर्ण कक्ष गुंजायमान हो रहा था। इस दौरान हितग्राहियों के चेहरे में खुशियों की एक अलग ही झलक देखने को मिल रही थी। लाटरी पद्धति से भवन आवंटन की प्रक्रिया के दौरान प्रथक पर्ची श्री हेमराज तिवारी फ्लैट क्रमांक 204, जधामल भाटिया भवन क्रमांक 303, सत्येन्द्र प्रताप मौर्य भवन क्रमांक 208 तथा श्रीमती मुन्नी बाई भवन क्रमांक 303 का आवंटन किया गया। इसके पश्चात अनवरत रूप से लाटरी निकाली जाकर भवन आवंटन की प्रक्रिया जारी रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से हर गरीब परिवार के लिए पक्के भवन में रहने का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि अब हमारे देश में कोई भी परिवार कच्चे मकान में नहीं रहेगा।

अपना वर्तमान सुधारो तो भविष्य अपने आप सुधर जाएगा : गुलाब मुनिजी

खिरकिया। वर्तमान को सुधरोगे तो भविष्य अपने आप सुधर जाएगा,इम्युनिटी बढ़ाने के लिए हमें प्रसन्न रहना चाहिए। दुनिया में कोई ऐसा ज्योतिषी नहीं, जो आपके कर्मों को बदल दे। आपको नए कर्म बंध से बचना है, तो सभी के प्रति प्रसन्नता के भाव रखने होंगे। ये बाते श्वेतांबर जैन संत गुलाब मुनिजी मसा ने स्थानीय समता भवन में शनिवार को अपने प्रवचन में कही। उन्होंने कहा कि जिनवाणी में जब लोक वाणी घुस जाती है, तो लोग मांगीलाल बन जाते हैं और पाप कर्म के उदय होते ही दुख आ जाता है।जो भी जीवन में घटना घट रही है, वह स्वयं के पुण्य और पाप के कारण ही घट रही है। हमें अपने कर्मों के अनुसार ही फल मिलता है। उन्होंने कहा कि मेरा यह काम हो जाए तो मैं यहां दर्शन करने जाऊंगा या मेरा यह काम हो जाए तो मैं आयंबिल तप त्याग उपवास करूंगा,यह सब लोकोत्तर मिथ्यात्व है। मुनिश्री ने कहा कि हमें अपने कर्मों के उदय को स्वीकार करना चाहिए और शांति रखनी चाहिए। सामना करने में सजा है और सहन करने में मजा है, उन्होंने भगवान महावीर का उदाहरण दिया,जिन्होंने मध्यस्थ भाव रखा।उन्होंने कहा कि भोगना हो तो फिर भागना क्यों।तोड़ना सरल है जोड़ना कठिन।

नक्सली क्षेत्र के नर्सिंग स्टाफ की एंटीवेनम ट्रेनिंग करवायी जाएगी : कलेक्टर

» राष्ट्रीय बीमा योजनाओं का लाभ देने के लिए ब्लॉक स्तर पर लगेंगे शिविर

बालाघाट। राज्य शासन की ट्रांसफर नीति के अनुसार विभागवार प्राप्त ट्रांसफर प्रकरणों की अपडेट जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक प्रारम्भ की। इस दौरान उन्होंने जिला योजना अधिकारी से अब तक प्राप्त ट्रांसफर के आवेदनों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया से ट्राईबल क्षेत्रों में आंगनवाड़ी केंद्रों के हाइड्रोवल की अपडेट जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि 24 आंगनवाडी केंद्रों में हाइड्रोवल होना है। कलेक्टर श्री मीना ने फ़ॉलोअप करके अपडेट करने तथा 2 हफ्ते में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय बीमा योजनाओँ का पात्र नागरिकों को लाभ दिलाने के लिए ब्लॉक स्तर पर शिविर आयोजित करने के एलडीएम श्री संजीव कुमार को निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री मीना ने कहा हफ्ते में 3 दिन शिविर क्रियान्वित किये जाएं। इसके लिए एलडीएम बीसी के साथ समन्वय कर सुचारू कैम्प संचालित करना सुनिश्चित करेंगे।

जनपद सदस्य ने साथी के साथ मिलकर की हाईवा में तोड़फोड़, चालकों से मारपीट, रूपए छीने

पुलिस ने मामला किया दर्ज, एनकेजे के पड़रिया की घटना

कटनी। एनकेजे थाना अंतर्गत ग्राम पड़रिया में बीतीरात लगभग साढ़े 10 बजे दो हाईवा में तोड़फोड़ व चालकों के साथ मारपीट किए जाने की घटना प्रकाश में आई है। तोड़फोड़ व मारपीट का आरोप ग्राम पंचायत पड़रिया के पूर्व सरपंच व वर्तमान जनपद सदस्य आशीष तिवारी व उनके साथी भोला नामक युवक पर लगाया गया है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध भारतीय न्याय दंड संहिता की धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक संजय आदिवासी व नरेश आदिवासी क्रमशः हाईवा क्रमांक एम.पी.54जीए-0459 व एम.पी.19एचए-1039 के चालक हैं। दोनों चालक बीतीरात साढ़े 10 बजे के लगभग अपने-अपने हाईवा लेकर मुरूम लोड करने ग्राम पड़रिया स्थित खदान जा रहे थे। इसी दौरान पूर्व सरपंच व वर्तमान जनपद सदस्य आशीष तिवारी व उनके साथी भोला नामक युवक स्कूटी में सवार होकर आए और चालकों के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। विरोध करने पर दोनों हाईवा में जमकर तोड़फोड़ की और डीजल डलवाने के लिए जेब में रखे 7-7 हजार रूपए भी छीन लिए। घटना के दौरान मौके पर रवीन्द्र व अनुज बेलिया नामक युवक भी मौजूद थे। जिन्होंने घटना को देखा है। पुलिस ने संजय आदिवासी की शिकायत पर आरोपियों के विरूद्ध भारतीय न्याय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए मामले की जांच कर रही है।

शराब पीने के लिए पैसा मांगने ना देने पर चाकू से किया हमला

कटनी। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे के नेतृत्व में,पुलिस चौकी प्रभारी नेहा मौर्या के सहयोग से चाकू से हमला करने वाले आरोपी को पकड़ने में सफ़लता मिली हैं। आरोपी साहिल उर्फ अली खान पिता अब्दुल नवाब खान उम्र-22 साल निवासी निवार पहाड़ी के विरूध्द थाना माधवनगर में पूर्व में (1) अप.क्र.-107/25 धारा-25 आमर्स एक्ट (2)अप. क्र.224/25 धारा- 296, 115 (2),351 (2),3(5) बीएनएस ,(3)अप. क्र.317/25 धारा-296,115(2), 351(2) बीएनएस कायम कर आरोपी के विरूध्द न्यायालय प्रकरण पेश किया जा चुका है। दिनांक 14/04/25 को मनीराम बर्मन पिता स्व.पांडूराम बर्मन उम्र-50 साल निवासी निवार पहाड़ी मोहार मोहल्ला का चौकी मे रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी साहिल उर्फ अली खान पिता अब्दुल नवाब खान उम्र-22 साल निवासी निवार पहाड़ी द्वारा शराब पीने के लिए पैसे मांगने की बात पर से पैसे ना देने पर गंदी गंदी गाली देकर ,चाकू से मारकर चोट पहुँचाने व जान से मारने की धमकी दी गईं, रिपोर्ट पर थाना माधवनागर चौकी निवार में (4) अप. क्र.348/25 धारा-296, 118(1), 119(1), 351(2) बीएनएस का कायम किया आरोपी घटना दिनांक से फरार था जिसे दिनांक 25/05/25 को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कटनी पेश किया गया।

माधवनगर टीआई अभिषेक चौबे की सक्रिय कार्यप्रणाली से बहुराष्ट्रीय कंपनी के नकली उत्पाद का पर्दाफाश

नकली उत्पादों की बिक्री पर माधवनगर पुलिस की ताबडतोड कार्रवाई

कटनी। माधवनगर थाना का प्रभार संभालते ही प्रभारी अभिषेक चौबे की निरंतर सक्रियता से अवैध कारोबारी और मिलावटखोरों चोर उचक्कों में दहशत का माहौल है गत दिवस पुलिस ने मिलावटखोरी नकली उत्पाद का पर्दाफाश किया।

भारतीय भोजन और मसालों की दुनिया भर में प्रसिद्धि है, लेकिन जब नकली उत्पाद बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ब्रांड नाम पर बेचे जाने लगें, तो यह चिंता का विषय बन जाता है। कटनी जिले में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहाँ एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के नाम से नकली चिकन और मटन मसाले बेचे जा रहे थे। कंपनी के अधिकारियों ने थाना माधव नगर पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है बहुराष्ट्रीय कंपनी के एआई की ओर से थाना माधव नगर को सूचना मिली कि उनकी कंपनी के ट्रेडमार्क और पैकेजिंग की नकल कर नकली मसाले बेचे जा रहे हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है। इस पर मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने आरोपी दिनेश शिवलानी (33 वर्ष) पिता अशोक निवासी खैबर लाइन थाना माधव नगर जिला कटनी को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से 120 नकली मसाले के पैकेट (चिकन और मटन मसाले) और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई, जिनका कुल बाजार मूल्य लगभग 4,0000 है। आवेदक धर्मेन्द्र सिंह निवासी टिकरिया टोला थाना कोतवाली सतना के द्वारा लिखित आवेदन नकली मसाला बेचने के संबंध में प्रस्तुत करने पर आवेदन की जाँच पर अपराध पंजीबद्ध किया गया है विवरण इस प्रकार है कि अनावेदक दिनेश शिवलानी को दस्तयाब किया गया जिसकी मोटरसाइकिल के पीछे बन्धे कार्टून मे एवरेस्ट कम्पनी के 07 ग्राम के चिकन मसाला के पाँच पैकेट प्रत्येक पैकेट में 60 पाऊच एवं मटन मसाला के 07 ग्राम के आठ पैकेट प्रत्येक पैकेट मे 60 पाऊच रखे मिले, मसाला पैकेट मिलने पर मसाला के संबंध में विस्तृत पूछताछ करने पर उक्त पैकेट नकली पाए गए अत: आरोपी के अवैध अधिपत्य से उक्त नकली मसालो के पैकेटो को जप्त किया गया। आरोपी दिनेश शिवलानी पिता अशोक शिवलानी उम्र 33 वर्ष निवासी खैबर लाईन थाना माधवनगर कटनी के द्वारा प्रथम दृष्ट्या अपराध धारा 348, 349, 272 बी.एन.एस 63 कापीराईट एक्ट का घटित करना पाया गया। आरोपी को विस्तृत पूछताछ हेतु थाना लाया गया। आरोपी के विरूध्द उपरोक्त धारा का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया।

जल संरक्षण का जागरूकता अभियान

छात्रों ने नुक्कड़ नाटक से दिया पानी बचाने का संदेश, लोगों ने लिया संकल्प

खिरकिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रविवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर के निर्देश पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक संदीप गोहर और ब्लॉक समन्वयक विनीता शाह ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया।मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक में पानी की कमी से उत्पन्न आपसी विवादों को दर्शाया गया। इसमें महिलाओं और बच्चों द्वारा एक घड़ा पानी के लिए संघर्ष की स्थिति को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में जल है तो कल है और जल ही जीवन है जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। रेशम योगी और डाली राजपत ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। ऋषि विश्नोई ने कहा कि छोटे प्रयासों से लोगों को जल की कीमत समझाई जा सकती है।कार्यक्रम में कीर्ति रूनवाल, साधना मालवीय, सुनील मंडराई, स्वाति, गोपाल, राजकुमार और श्वेता ने भाग लिया।

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी अहम

टीम इंडिया के नये डब्लयूटीसी चक्र की शुरुआत इंग्लैंड दौरे से होगी

नए खिलाड़ियों से सजी है भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय टीम शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ अगले माह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। ये सीरीज इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे 2025-27 के विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) चक्र की भी शुरुआत होगी। इस सीरीज में भारतीय टीम अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना उतरेगी क्योंकि इन तीनों ने ही संन्यास ले लिया है। इस दौरे से एक खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम सामने आयेगी। शुभमन की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज के बाद आगे भी भातरीय टीम को कई और मुकाबले खेलने हैं। डब्लयूटीसी के एक चक्र में किसी टीम को 6 सीरीज खेलनी होती हैं जिनमें 3 घरेलू और 3 विदेशी धरती पर खेली जाती हैं। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके बाद नवंबर में दक्षिण अफ्रीकी टीम भी 2 टेस्ट मैच खेलने भारत दौरे पर आएगी। वहीं साल 2026 में भारतीय टीम केवल 4 टेस्ट मैच खेलेगी। अगस्त 2026 में भारतीय टीम 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी, वहीं अक्टूबर 2026 में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। भारतीय टीम को 2027 में होने वाले (डब्लयूटीसी) चक्र का अंतिम मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया से ही खेलना होगा। इसके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत का दौरा करेगी।

डब्लयूटीसी 2025-27 चक्र का कार्यक्रम

- भारत और इंग्लैंड (विदेशी दौरा)- 5 टेस्ट- जून अगस्त 2025
- भारत और वेस्टइंडीज (घरेलू)- 2 टेस्ट- अक्टूबर 2025
- भारत और दक्षिण अफ्रीका (घरेलू)- 2 टेस्ट- दिसंबर 2025
- भारत और श्रीलंका (विदेशी दौरा)- 2 टेस्ट, अगस्त 2026
- भारत और न्यूजीलैंड (विदेशी दौरा)- 2 टेस्ट, अक्टूबर-दिसंबर 2026
- भारत और ऑस्ट्रेलिया (घरेलू)- 5 टेस्ट- जनवरी-फरवरी 2027!

पीटरसन की भारतीय टीम को सलाह

राहुल को टी20 में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए रखें

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर केविन पीटरसन ने केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन के अनुसार राहुल को 2026 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखे। इसके साथ ही उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिये।

भारतीय टीम में अभी विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। चयनकर्ताओं के पास राहुल के अलावा ऋषभ पंत, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और ईशान किशन जैसे अच्छे विकल्प हैं। राहुल 2022 विश्व कप के बाद से ही भारतीय टी20 टीम में शामिल नहीं हैं पर पीटरसन का मानना है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी कर अपनी वापसी के लिए मजबूत दावेदारी की है। ऐसे में वह विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे बेहतर हैं।

पीटरसन ने कहा, ''मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना चाहूंगा। मुझे लगता है कि आपके पास बहुत सारे सलामी बल्लेबाज हैं।'' इंग्लैंड के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''राहुल जिस तरह से अब क्रिकेट खेल रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने और भारत के लिए विकेटकीपिंग करने के लिए मेरी पहली पसंद बन गये हैं।'' उन्होंने हाल में एकदिवसीय में भी शानदार प्रदर्शन किया था। राहुल ने पिछले साल के मध्य से लेकर आखिर तक बहुत सकारात्मक तरीके से खेला है। इसमें वह मैच विजेता बल्लेबाज के तौर पर भी उभरे हैं।

अयूब को नया टी20 कप्तान बनायें : अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा है कि युवा बल्लेबाज सैम अयूब को नया टी20 कप्तान बनाया जाना चाहिये। अफरीदी ने कहा हे कि अपने अब के करियर में अयूब ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे सभी प्रभावित हैं। अफरीदी ने कहा कि अयूब ने धीमी शुरुआत की है पर एक लय पकड़ने के बाद वह आगे बढ़ते गये हैं। पिछले साल 2024 में इस बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन एकदिवसीय शतक लगाये थे। यही नहीं इसी साल उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की पारी भी खेली थी। एक खास कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा, हमें ऐसे कप्तान की जरूरत है जो खेल के प्रति सकारात्मक रुवैया रखता हो।

अफरीदी ने यह भी कहा कि अगर उनके हाथ में हो तो वह अयूब को अभी से पाकिस्तान क्रिकेट का कप्तान बना दें। उनका कहना है कि है अयूब का टेंपरामेंट अच्छा है और वह टीम गेम खेलता है। अयूब ने अब तक पाक की ओर से आठ टेस्ट, नौ एकदिवसीय और 27 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस क्रिकेटर ने 14 पारियों में 26.00 की औसत से 364 वहीं एकदिवसीय की नौ पारियों में 64.37 की औसत से 515 और टी20 की 25 पारियों में 21.65 की औसत से 498 रन बनाये हैं। बल्लेबाजी के साथ-साथ अयूब गेंदबाजी भी करते हैं। उन्होंने टेस्ट की चार पारियों में 34.50 की औसत से चार और एकदिवसीय की छह पारियों में 27.80 की औसत से पांच विकेट लिए हैं।

रोनाल्डो बोले, अभी 29 का ही हूं

वास्तविक उम्र से 11 साल छोटे लगते हैं

बार्सिलोना। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि वह अभी 10 साल और खेल सकते हैं। रोनाल्डो के अनुसार वह अभी 40 साल के होने जा रहे हैं पर एक तकनीकी कंपनी की ओर से किए गए परीक्षणों में वह उम्र से 11 साल छोटे पाये गए हैं। ये टेस्ट फिटनेस ट्रैकर और स्वास्थ्य निगरानी उपकरणों में विशेषज्ञता रखने वाली एक तकनीकी कंपनी ने किये थे। रोनाल्डो इसी कंपनी के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। जो टेस्ट किए गए उनमें हृदय गति, हृदय गति परिवर्तनशीलता जैसे शारीरिक डेटा को मापा जाना शामिल था जो उनके परिश्रम, रिकवरी और नींद के बारे में जानकारी देते हैं। रोनाल्डो ने कहा कि उनकी बॉयोलॉजिकल उम्र 28.9 वर्ष है।

रोनाल्डो को जब पता चला कि वह अपनी वास्तविक उम्र से 11 साल छोटे लगते हैं तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब मैं 29 का हो गया हूं इसलिए दस साल और खेल सकता हूं। रोनाल्डो रोजाना दिन में 17,000 कदम चलते हैं और 7 घंटे से ज्यादा सोते हैं।

रोनाल्डो ने साथ ही कहा कि, मैं इसी तरह अपना जीवन जीता हूं। मैं हमेशा घूमता रहता हूं फुटबॉल खेलता हूं या बच्चों के साथ खेलता हूं। इसलिए मुझे उम्र कम पाये जाने पर हैरानी नहीं होती। रोनाल्डो ने आगे बताया कि नींद शायद मेरे पास सबसे अहम साधन है। दिन में सिर्फ एक पल ऐसा होता है जब आप ठीक हो सकते हैं और सब कुछ व्यवस्थित कर सकते हैं। मेरा मानना है कि सेहत के लिए अच्छी नींद लेना जरुरी है।

गेल का आईपीएल में 175 रन का रिकार्ड अभी भी है कायम

मुम्बई। आईपीएल में अब तक कई नये रिकार्ड बने हैं और टूटे हैं पर गेल का साल 2013 में बनाया ये रिकार्ड ऐसा है जो एक दशक से भी अधिक समय से बना हुआ है। गेल अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने टी-20 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 66 गेंद पर 175 रन की नाबाद पारी खेली थी। उस समय गेल आरसीबी के लिए खेलते थे। गेल के टी20 करियर में 463 मैचों में 14,552 रन शामिल हैं। गेल के अलावा दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज ब्रैंडन मैकुलम है, जिन्होंने 2008 में रॉयल चैलैंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 73 गेंदों में नाबाद 158 रन बनाये। इस सत्र में सत्र में 141 रनों की पारी खेलकर अभिषेक शर्मा सबसे अधिक रनों की पारी के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। वहीं चौथे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक है जिन्होंने 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 70 गेंदों में 140 रन की नाबाद पारी खेली थी। इस सूची लिस्ट में पांचवें नंबर पर आरसीबी के पूर्व खिलाड़ी एबी डिविलयर्स हैं, जिन्होंने 2015 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 59 गेंदों में नाबाद 133 रन बनाये थे जबकि छठे नंबर पर केएल राहुल हैं, जिन्होंने पंजाब किंग्स के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 69 गेंदों में नाबाद 132 रन बनाए थे।

सुदर्शन का लक्ष्य इंग्लैंड दौरे में बेहतर प्रदर्शन करना

मुम्बई। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में शामिल किये जाने से बेहद खुश है और उनका लक्ष्य इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित करना है। सुदर्शन ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में भी जमकर रन बनाये हैं जिससे वह उत्साहित हैं। दिग्गज क्रिकेटरों का मानना है कि सुदर्शन की तकनीक काफी अच्छी है जिसका लाभ उन्हें इंग्लैंड में मिलेगा। सुदर्शन ने कहा कि ये तो सिर्फ शुरुआत है। सुदर्शन ने कहा कि, मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के लिए देश के लिए खेलना ही बहुत बड़े सम्मान की बात है। ये बहुत शानदार विशेष और अविश्वसनीय अहसाह है। साथ ही कहा कि कोई भी खिलाड़ी जो क्रिकेट खेलना शुरू करता है, उसका अंतिम लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट खेलना होता है। सुदर्शन ने कहा कि वह यहां तक अपने माता पिता और रिश्तेदारों के सहयोग से पहुंचे हैं।

गुजरात टाइटंस के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान पर भी खुशी जतायी है। शुभनन के साथ सुदर्शन ने पहले भी है। उन्होंने कहा कि मैं शुभमन के साथ क्रिकेट में आगे बढ़ने के दिनों का हिस्सा रहा हूं। मैंने पिछले चार सालों में उन्हें खेलते देखा है। सुदर्शन ने ने कहा कि शुभमन की कप्तानी में टीम बड़ी उपलब्धि हासिल करेगी।

आईपीएल : सुपर जायंट्स को हराकर शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगी आरसीबी

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मंगलवार को अपने अंतिम आईपीएल लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर शीर्ष दो में जगह बनाने उतरेगी। आरसीबी का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में है जिससे वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार नजर आ रही है। वहीं सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीतकर अपने अभियान का समापन करना रहेगा। आरसीबी के पास 2016 के बाद पहली बार शीर्ष दो में जगह बनाने का अवसर है। शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने का एक अतिरिक्त अवसर मिलता है। आरसीबी के नाम 17 अंक है और इस मैच में जीत से उसके 19 अंक हो जाएंगे। इसलिए उसे जीत की सबसे अधिक जरुतर है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से आरसीबी की गेंदबाज मजबूत हुई है। हेजलवुड इस सत्र में टीम की ओर से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 10 मैचों में 18 विकेट लिए हैं और अभी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। जहां तक बल्लेबाजी की बात है फिल साल्ट, विराट कोहली और कप्तान रजत पाटीदार पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी घरेलू मैदान पर जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी क्योंकि अब उसके पास खोने को कुछ नहीं है। अपने पिछले मैच में टाइटंस को हराने के बाद से ही उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसकी ओ से एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में टीम को इस बार भी इनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। कप्तान ऋषभ पंत के लिए ये लय हासिल करने का अंतिम अवसर है और देखना है वह इसमें सफल होते हैं या नहीं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी शारदुल ठाकुर, आकाश दीप और विल ओरोर्के पर रहेगी। दोनो टीमों के प्रदर्शन की तुलना करें तो आरसीबी 13 मैचों में 8 जीत और 4 हार के बाद 17 अंक और प्लस 0.255 रनरेट के साथ तीसरे पायदान पर है, जबकि सुपर जायंट्स 13 मैचों में 6 जीत और 7 हार के बाद 12 अंक और -0.337 रनरेट के साथ अंक तालिका में सातवें नंबर पर स्थित है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : फिल साल्ट, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), मयंक अग्रवाल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जोश हेजलवुड, यश दयाल, रसिख दार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, मणिमरन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी, विल ओरोर्के।

मेट्रो में तुर्किए की कंपनी को ठेके पर फैसला नहीं: कांग्रेस ने कहा-

पहले तुर्किए का सिस्टम निकालें, फिर मेट्रो का लोकार्पण हो

» भोपाल-इंदौर मेट्रो स्टेशनों पर असिस गार्ड कंपनी ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम लगा रही

भोपाल। भोपाल-इंदौर मेट्रो में तुर्किए की कंपनी असिस गार्ड के अनुबंध को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है। दूसरी ओर, 31 मई को इंदौर मेट्रो के लोकार्पण की तैयारी है। ऐसे में कांग्रेस ने पहले सिस्टम निकालने और फिर लोकार्पण करने की मांग रखी है। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने इसे लेकर मेट्रो एमडी को लेटर भी लिखा है।

दोनों शहरों के मेट्रो स्टेशनों पर असिस गार्ड कंपनी ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम लगा रही है। इसे लेकर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और भोपाल सांसद आलोक शर्मा का बयान सामने आ चुका है। वहीं, कांग्रेस भी मैदान में उतर गई। इसे लेकर 21 मई को कांग्रेसियों ने मेट्रो ऑफिस का घेराव भी किया था। पूर्व मंत्री शर्मा ने सात दिन का अल्टीमेटम दिया था। इसी बीच मेट्रो एमडी को भी उन्होंने पत्र लिखा है। पूर्व मंत्री शर्मा ने बताया कि इंदौर-भोपाल मेट्रो में तुर्किए विरोधी देश के डिजिटल सिस्टम डोर टिकिट कलेक्शन सिस्टम लग रहे हैं। मेट्रो एमडी को इस कंपनी का टेंडर निरस्त करने के लिए आवेदन दिया था। इसका अभी क्या स्टेटस है, इसे लेकर एमडी को फिर से लेटर लिखा है। पाकिस्तान ने तुर्किए के ड्रोन से भारत पर हमला किया था। इसलिए तुर्किए की कंपनी का ठेका तत्काल निरस्त होना चाहिए।

असिस को भोपाल-इंदौर में यह काम मिला- एमपी मेट्रो कॉर्पोरेशन ने मेट्रो स्टेशनों पर ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन के लिए साल 2024 में इंटरनेशनल टेंडर कॉल किए थे। कुल 3 कंपनियों ने टेंडर भरे थे। इनमें से एक तुर्किए की असिस इलेक्ट्रॉनिक ब्लिसिम सिस्टमेलेरी भी शामिल है, जबकि दो अन्य कंपनी- एनईसी कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और शेलिंग फॉस्क ग्लोबल डिजिटल टेक्नोलॉजी थीं। 230 करोड़ रुपए के टेंडर कॉल के मुकाबले तुर्किए की कंपनी ने 186 करोड़ 52 लाख रुपए की राशि टेंडर में दी थी। दूसरे स्थान पर एनईसी कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड ने 204.57 करोड़ का प्रस्ताव सौंपा था। इस हिसाब से तुर्किए की कंपनी को टेंडर हासिल हो गया।

डीआरएम तिराहा, अलकापुरी, एम्स में काम चल रहा- टेंडर मिलने के बाद कंपनी ने स्टेशनों पर सिस्टम लगाने भी शुरू कर दिए। भोपाल में सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर और रानी कमलापति स्टेशन पर गेट्स लगाए जा चुके हैं जबकि डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स में काम चल रहा है।

इंदौर में भी 5 स्टेशन- गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर-3 तक सिस्टम इंस्टॉल किया जा चुका है। भोपाल और इंदौर के पहले फेस के कुल 53 स्टेशनों पर कंपनी काम करेगी। कंपनी के जिम्मे सबसे महत्वपूर्ण ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन यानी किराया लेने की पूरी प्रक्रिया का सिस्टम तैयार करने का काम है। जिसमें कार्ड के जरिए किराया लेने के बाद ही गेट खुलना भी शामिल है। यह कंपनी सिस्टम का पूरा मेंटेनेंस भी करेगी।

तुर्की की कंपनी असिस गार्ड ड्रोन सहित कई तरह के उपकरण बनाती है। ये बॉर्डर पर सुरक्षा के काम भी आते हैं। ASISGUARD रक्षा उद्योग के क्षेत्र में तकनीकी आवश्यकताओं के समाधान विकसित करने के लिए रोटरी विंग सशस्त्र/निरस्त्र ड्रोन सिस्टम, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल विजन और सीमा सुरक्षा प्रणाली और सैन्य वाहन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम विकसित करती है। यह कंपनी अनुकूलित और संशोधित डिजाइन आवश्यकताओं के लिए इंजीनियरिंग सॉल्यूशन देती है।

पंचायतों में उपचुनाव कराने मतदाता सूची बनेगी

» राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया कार्यक्रम, एक माह में जुड़ेंगे-हटेंगे नाम

भोपाल। प्रदेश में पंचायत राज संस्थाओं के उपचुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का कार्यक्रम तय कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी 2025 को आधार मानकर नए मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 25 जून को ग्राम पंचायत और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करेंगे।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आज शाम तक अधिकारियों को प्रशिक्षण देने और शिफ्टिंग सूची के सत्यापन का कार्य करेंगे। इसके बाद मतदाता सूची तैयार किए जाने का काम शुरू होगा। इसके लिए जो भी कर्मचारी तैनात किए जाएंगे उन्हें आयोग द्वारा तय समय सीमा में मतदाता सूची में बदलाव कर देना होगा ताकि चुनाव कार्यक्रम तय किए जा सकें।

ऐसे चलेगा कार्यक्रम

मतदाता सूची बनाने वाले वेण्डर 30 मई को शिफ्टिंग, जांच और संशोधन के लिए चेकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को देंगे।

दाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 5 जून को किया जाएगा। इस संबंध में मतदाताओं तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी देने के लिए 5 और 6 जून को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की जाएंगी।

मतदाता सूची के संबंध में दावे-आपत्तियां 5 से 11 जून तक प्राप्त की जाएंगी।

दावे आपत्तियों का निराकरण 17 जून तक किया जाएगा। इसकी चेकलिस्ट 20 जून तक तैयार करके चेकलिस्ट में सुधार के बाद 21 जून को वेण्डर को उपलब्ध करा दिया जाएगा। फोटोयुक्त मतदाता सूची 23 जून तक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं वेण्डर द्वारा जनरेट की जाएगी। इसे 23 जून को ही

पुल बोगदा पर एक माह का डायवर्जन प्लान, भारी वाहन रहेंगे प्रतिबंधित

मेट्रो निर्माण, ट्रैफिक पुलिस ने जारी किए नए रूट

भोपाल। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत पुल बोगदा क्षेत्र में नए मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। सुरक्षा कारणों से इस निर्माण के दौरान 28 मई से 27 जून 2025 तक एक माह के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है।

इस अवधि में पुल बोगदा होकर भारत टॉकीज और जिंसी की ओर जाने वाले मार्गों पर कुछ वर्ग के वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने ऑप्शनल मार्गों की व्यवस्था की है। नगरीय यातायात पुलिस ने अपील की है कि असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग चुनें। साथ ही, वाहन चालकों से आग्रह किया गया है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों में प्रवेश न करें। कोई भी समस्या या जानकारी के लिए यातायात नियंत्रण कक्ष के नंबरों 0755-2677340, 2443850 पर संपर्क कर सकते है।

प्रतिबंधित मार्ग

1. भारी, मध्यम एवं बस वाहन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होते हुए भारत टॉकीज और प्रभात चौराहा से पुल बोगदा होते हुए जिंसी धर्म कांटा, मैदा मिल की ओर

2. हल्के एवं दोपहिया वाहनों के लिए - पुल बोगदा से शिव मंदिर रोड (जिंसी के सामने) तक एक तरफ का मार्ग बंद रहेगा।

भारी, मध्यम और बस जैसे बड़े वाहन अब प्रभात चौराहा से भारत टॉकीज या प्लेटफॉर्म नंबर-6 की ओर जाने के लिए परिहार चौराहा (अशोका गार्डन), 80 फीट रोड, स्टेशन बजरिया तिराहा और भारत टॉकीज ओवरब्रिज होते हुए संगम टॉकीज तिराहा से गुजरेंगे। वहीं, भारत टॉकीज या प्लेटफॉर्म नंबर-6 से प्रभात चौराहा लौटने वाले वाहन संगम टॉकीज तिराहा, भारत टॉकीज ओवरब्रिज, स्टेशन बजरिया तिराहा, 80 फीट रोड और परिहार चौराहा से होकर प्रभात चौराहा पहुंचेंगे।

खनिज ब्लॉक नीलामी कार्यशाला में पीएस माइनिंग उमराव बोले:

13 हजार करोड़ का टारगेट, 9 खदानों को शुरू करने की तैयारी

भोपाल। खनिज साधन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने कहा है कि इतनी तेजी दिखाने के बाद भी जिस तेजी से ऑक्सन हो और काम आगे बढ़े, उतनी तेजी से काम नहीं हो रहे हैं। कहां कमी है, किस कारण से कमी है, हर काम में देरी क्यों हो रही है, इसकी वजह पता करने पर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए कि शासकीय विभाग देरी की वजह नहीं हैं। इस कमी को तलाशने के लिए विभाग ने सभी संबंधित विभागों से भी कोआर्डिनेट किया है लेकिन वहां दिक्कत नहीं मिली है। इसीलिए इस तरह के मामलों में स्किल देने के लिए यह वर्कशॉप हो रही है। सभी अपनी समस्याएं बताएं और उसका निराकरण भी पाएंगे।

एमपी में खनिज नीलामी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए सोमवार को प्रशासन अकादमी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें खनिज ब्लॉक की नीलामी को लेकर जानकारी दी गई खनिज साधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4 मुख्य खनिज ब्लॉक में वैधानिक अनुमति प्राप्त कर नीलाम करने की योजना बनाई है। वहीं विभाग जल्द ही 100 मुख्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिए ई-निविदा जारी करने की तैयारी कर रहा है। विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव की मौजूदगी में हो रही कार्यशाला में प्रदेश के मुख्य खनिज के नीलाम और खनिज ब्लॉकों के क्रियान्वयन पर चर्चा की। कार्यशाला में मुख्य खनिज की नीलामी प्रक्रिया एवं इससे संबंधित विषय-विशेषज्ञ, जिला अधिकारी, आरक्यूपी और अधिमान्य बोलीदार शामिल हुए हैं।

कार्यशाला के दौरान माइनिंग की शर्तों की जानकारी देने के साथ माइनिंग ब्लॉक्स की जियोग्राफी डिटेल दी गई और खनिज बोली में शामिल होने के इच्छुक कम्पनियों के प्रतिनिधियों के सवालों के जबाव खनिज अधिकारियों ने दिए। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश देश में खनिज नीलामी की प्रक्रिया पूरी करने और केंद्र सरकार की गाइडलाइन पर अमल करने वाले राज्यों में अग्रणी स्टेट में शामिल है। विभाग द्वारा 10 हजार 290 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त किया गया है, जो अभी तक प्राप्त खनिज राजस्व में सबसे अधिक है।

खनिज विभाग द्वारा खनिज राजस्व प्राप्ति के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 13 हजार करोड़ रुपए का टारगेट रखा गया है। नीलाम किए गए 24 मुख्य खनिज ब्लॉक तथा 9 अकार्यशील खदानों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए खनिज साधन विभाग के लक्ष्य निर्धारित कर लिए गए हैं।

खनिज साधन विभाग द्वारा 100 मुख्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिए ई-निविदा जारी की जाएगी। 8 खनिज ब्लॉकों में पर्यवेक्षण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही 10 खनिज ब्लॉकों में इंटीग्रेटेड लाइसेंस स्वीकृति आदेश जारी किये जा रहे हैं।

डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये आवेदन 27 मई से

भोपाल। प्रदेश के समस्त शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) एवं अशासकीय महाविद्यालयों में डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिये आवेदन प्रक्रिया मंगलवार 27 मई से प्रारंभ हो रही है। योग्य अभ्यर्थी 27 मई, 2025 से एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से प्रवेश के लिये पंजीयन कर सकेंगे। उक्त संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल की बेबसाइट / पर जाकर जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। प्रथम चरण के प्रवेश पंजीयन की अंतिम तिथि 5 जून निर्धारित की गयी है। उल्लेखनीय है कि उक्त संस्थानों में डीएलएड पाठ्यक्रम की नियत सीटों पर प्रवेश, अभ्यर्थी के कक्षा 12वीं में प्राप्तांकों के आधार पर मैरिट अनुसार शासन द्वारा आरक्षण संबंधी जारी निर्देशों के तहत किये जायेंगे। अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर आरक्षण नियमों के अनुसार मेरिट सूची 6 जून को तथा योग्य अभ्यर्थियों को विभिन्न संस्थानों में प्रवेश आवंटन 7 जून से 10 जून तक जारी किये जायेंगे। चयनित अभ्यर्थी 11 जून से 16 जून के मध्य उन्हें आंवटित संस्थानों में प्रवेश ले सकेंगे।

भोपाल-बिलासपुर समेत 4 गाड़ियां रद्द

» झलवारा में मेंटेनेंस वर्क के चलते 7 जून तक नहीं होगा संचालन

भोपाल। रेलवे की अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए चल रहे रखरखाव कार्यों के चलते यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के झलवारा स्टेशन पर कटनी ग्रेड सेपरेटर लाइन और सिंगरौली दिशा की टाई-लाइन को जोड़ने के लिए रेलवे मेंटेनेंस वर्क किया जा रहा है। इस कार्य के चलते पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली कई प्रमुख ट्रेनें अस्थायी रूप से रद्द की गई हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक

सौरभ कटारिया ने बताया कि IRCON द्वारा किए जा रहे इस कार्य के चलते 5 गाड़ियां संचालित नहीं होंगी।

- बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस (18236) : 01 जून से 07 जून 2025 तक रद्द
- भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस (18235) : 03 जून से 09 जून 2025 तक रद्द
- दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस (18213) : 01 जून 2025 को रद्द
- अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस (18214) : 02 जून 2025 को रद्द

जन-समुदाय को जल संरक्षण की दिलायी जा रही शपथ

नर्मदा पथ परिक्रमा के सर्वेक्षण और सफाई के लिये श्रमदान

भोपाल। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। जिन जिलों में नर्मदा पथ परिक्रमा आती है, उनके सर्वेक्षण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। नर्मदा नदी के घाटों की सफाई का कार्य सामूहिक भागीदारी से किया जा रहा है। जन-समुदाय को जल संरक्षण की शपथ दिलायी जा रही है। इसी के साथ आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए व्यापक पौध-रोपण की योजना भी तैयार की जा रही है।

सेंधला नदी की साफ-सफाई- देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बालौदा में तालाब गहरीकरण का काम किया जा रहा है। ग्रामीणों को बताया गया कि तालाब गहरीकरण के काम में तकनीकी मापदण्डों के अनुसार काम करना बहुत ज़रूरी है। इससे ग्रामीणों को तालाब का फायदा लम्बे समय तक मिल सकेगा और जल स्तर भी बढ़ेगा। जिले के बागली विकासखण्ड के ग्राम बरखेड़ा सोमा में सेंधला नदी की साफ-सफाई की एवं गंदगी को बाहर किया गया। जिले में प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। ग्रामीणों को इनके इतिहास के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। जिले में कुछ प्राचीन बावड़ियों में जन-भागीदारी से साफ-सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा- मण्डला जिले में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत मधुपुरी में माँ नर्मदा का पूजन-अर्चन गणमान्य नागरिकों द्वारा किया गया। जन-अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक श्री संतोष कुमार झारिया ने जन-सामान्य को नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा का उद्देश्य बताया। इस मौके पर संगोष्ठी में स्थानीय घाटों में मौजूद मठ, मंदिर और आश्रमों में साधु-संतों और परिक्रमावासियों के रुकने की व्यवस्था पर चर्चा की गयी। ग्रामीणों के साथ मिलकर संगोष्ठी के पहले घाट की सफाई की गयी। ग्रामवासियों को नदी को स्वच्छ रखने की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम के दौरान गुरु घाट आश्रम मधुपुरी के महंत श्री जुगल दास त्यागी महाराज, मार्कंडेय आश्रम के बलदेव दास महाराज ने ग्रामवासियों को माँ नर्मदा के धार्मिक आस्था के बारे में जानकारी दी।

सुखवंत राव की बावड़ी की सफाई - मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद द्वारा भोपाल जिले के विकासखण्ड फंदा में सुखवंत राव की बावड़ी में सफाई कार्य किया गया। इस बावड़ी में प्राकृतिक रूप से वर्षभर झिर के माध्यम से पानी की उपलब्धता रहती है। परिषद के कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृंखला के रूप में चैन बनाकर बनाकर बावड़ी की सफाई की। इस मौके पर नागरिकों को सामूहिक श्रम की महत्ता बतायी गयी। जल-चौपाल में उपस्थित समुदाय को जल संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम के दौरान आगामी मौसम को देखते हुए पौध-रोपण की योजना भी तैयार की गयी। विकासखण्ड समन्वयक नंदकिशोर मालवीय ने श्रमदान एवं जल-चौपाल में शामिल समुदाय का आभार प्रकट किया। समुदाय को अपने परिजन के जन्म-दिवस और वैवाहिक वर्षगाँठ आदि के मौके पर सामूहिक श्रमदान किये जाने की समझाइश दी गयी।

बिजली चोरी की सूचना देने वालों को मिलेगी 10 फीसदी पारितोषिक राशि

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर सूचना देने वालों को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इस राशि में से पांच प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचना देने वालों को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा तथा शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में नियमित कर्मचारी/संविदा कर्मचारी/आउटसोर्स कर्मचारी भी सूचना देने वाला हो सकता है, जिसे सूचना सही पाए जाने पर पायी गयी अनियमितता के विरुद्ध भुगतान हेतु जारी किए गए देयक की पूर्ण वसूली के उपरांत क्षतिपूर्ति राशि का एक प्रतिशत देय होगा। कंपनी ने सूचना प्रक्रिया के बारे में बताया है कि अब पारितोषिक योजना की पूरी जानकारी जैसे बिलिंग और भुगतान से संबंधित गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब सूचना देने वाले को कंपनी के पोर्टल पर गुप्त रूप से दिए गए प्रारूप में बैंक खाता, पहचान क्र. (आधार अथवा पेन) देना अनिवार्य कर दिया गया है। योजना के अंतर्गत सूचना देने वाले के संबंध में जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखते हुए, कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचना देने वाले के बैंक के खाते में हस्तांतरित की जाती है। कंपनी द्वारा योजना में सूचना देने वाले को निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। कंपनी की वेबसाइट पर क्लिक करके, सूचना देने वाले द्वारा गुप्त सूचना दर्ज की जा सकती है एवं उपाय एप के माध्यम से भी बिजली चोरी की सूचना दी जा सकती है।

स्वत्ताधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576